www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 117 || लखनऊ
सोमवार
27 जुलाई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:27
सूर्यास्तः 06:58
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 27°00

» पेज 07

विशेष समाचार कॉकरोच आंदोलन ... » पेज 04 | सड़क खोदी, तो पहले जैसी ... » पेज 06 | सोनाक्षी सिन्हा ने कान पकड़कर ...

योगी का ऐलान : 3 करोड़ तक का एक्सीडेंटल बीमा भी मिलेगा, 10 लाख को फायदा

डिग्री कॉलेज के टीचर्स को 5 लाख तक कैशलेस इलाज

योजना

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। यूपी में अब डिग्री कॉलेज के टीचर्स को भी 5 लाख रुपए तक कैशलेस इलाज मिलेगा। सीएम योगी ने रविवार को आगरा में 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस योजना' की शुरुआत की। इससे प्रदेश में यूनिवर्सिटी, सरकारी सहायता प्राप्त और प्राइवेट कॉलेजों के करीब 1.28 लाख शिक्षकों और उनके परिवारों को मिलाकर, लगभग 10 लाख लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। योगी ने इस दौरान डेढ़ से 3 करोड़ रुपए तक की एक्सीडेंटल बीमा कवर योजना का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा- सरकार ने पंजाब नेशनल बैंक (PNB) के साथ MoU किया है। इससे शिक्षकों को 1.50 करोड़ का एक्सीडेंटल बीमा, 3 करोड़ तक का हवाई दुर्घटना बीमा, 60 हजार तक का अस्पताल का खर्च यानी कैश बेनिफिट और 12 लाख रुपए तक का टर्म लाइफ इंश्योरेंस यानी जीवन बीमा मिलेगा। बता दें कि 18 दिन पहले योगी ने वाराणसी से प्राइमरी-माध्यमिक स्कूलों के 12 लाख शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों के लिए कैशलेस इलाज की योजना की शुरुआत की थी। योगी ने प्रसिद्ध वैद्य जीवक की कहानी सुनाई। कहा- शिक्षा पूरी होने के बाद जीवक ने अपने आचार्य से घर लौटने की अनुमति मांगी।

» (शेष पेज 06 पर)

योगी ने शिक्षकों से छात्रों को सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल करना सिखाने की अपील की। कहा- सोशल मीडिया आज की जरूरत है। इससे दूर नहीं रहा जा सकता, लेकिन इसका उपयोग समाज और देश हित में होना चाहिए।

शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई और शैक्षणिक माहौल पहले जैसा नहीं

उन्होंने कहा- कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं होता, जिसमें योग्यता न हो। जरूरत सिर्फ उस योग्यता को पहचानने और निखारने वाले शिक्षक की है। यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई छात्र भटकाव का शिकार न बने। शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई और शैक्षणिक माहौल पहले जैसा नहीं रहा है।

हर परिवार को 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य कवर

योजना के तहत हर पात्र परिवार को सालाना 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य कवर मिलेगा। कार्ड बनने के बाद पहले दिन से ही योजना का लाभ लिया जा सकेगा। भर्ती, इलाज, दवाइयों और डिस्चार्ज तक का पूरा खर्च योजना के दायरे में शामिल होगा। योजना में सरकारी और निजी अस्पतालों में 1900 से अधिक उपचार पैकेज उपलब्ध होंगे।

इनमें कैंसर, हृदय रोग, किडनी की बीमारी और बड़ी सर्जरी जैसे गंभीर इलाज भी शामिल हैं।

योजना का संचालन साचीज (SACHIS) के माध्यम से होगा और आयुष्मान भारत की तय उपचार दरें लागू रहेंगी।

> योगी ने कहा- भारत की परंपरा में शिक्षक का स्थान सर्वोच्च रहा है। जब दुनिया का बड़ा हिस्सा अज्ञान के अंधकार में था, तब भारत तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों का निर्माण कर चुका था। अविभाजित भारत का हिस्सा था। इसका नाम भगवान राम के भाई भरत के पुत्र तक्ष के नाम पर पड़ा था।

नई योजना 2 बड़े फायदे

■ हर परिवार को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाजः कैशलेस योजना के जरिए टीचर को हर साल 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। जैसे ही कार्ड बन जाएगा, उसी दिन से शिक्षक और उनके परिवार अस्पतालों में इलाज करवा सकेंगे। अस्पताल में भर्ती होने से लेकर दवाइयों, इलाज और छुट्टी (डिस्चार्ज) होने तक का सारा खर्च सरकार उठाएगी।

■ कैंसर, दिल की बीमारी का भी इलाज होगाः इस योजना से जुड़े सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में 1900 से भी ज्यादा बीमारियों के इलाज का पैकेज मिलेगा। इसमें कैंसर, दिल की बीमारी, किडनी की समस्या और बड़ी सर्जरियों जैसे गंभीर इलाज शामिल हैं। इस योजना को साचीज (SACHIS) संस्था चलाएगी। इसमें आयुष्मान भारत वाली ही तय दरें लागू होंगी।

सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल सिखाने की जरूरत

योगी ने कहा- आज समाज में जानकारी हासिल करने के कई माध्यम हैं। एक वर्ग अखबार पढ़ता है, दूसरा टीवी न्यूज देखता है और बड़ी संख्या में युवा स्मार्टफोन पर यूट्यूब और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म से जानकारी लेते हैं। ऐसे में जो लोग ज्यादा कंटेंट डालते हैं या ज्यादा व्यूज बटोरते हैं, कई बार छात्र उसी को सच मान लेते हैं।

जबकि, हर जानकारी सही हो, यह जरूरी नहीं है। सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर भी लोग गलत जानकारी फैला सकते हैं। समाज में भ्रम और तनाव पैदा कर सकते हैं। सही तथ्यों की जानकारी न होने से पूरा सिस्टम अव्यवस्था और अराजकता का शिकार हो जाता है, जिसका असर वर्तमान और भविष्य दोनों पर पड़ता है।

पेपरलीक रोकने के लिए कठोर कानून लाएंगे : मोदी

परीक्षा सुधार के लिए हाईपावर टास्क फोर्स बनाई, इंफोसिस को-फाउंडर नीलेकणी अध्यक्ष होंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने रविवार शाम 7 बजे के करीब इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। मोदी ने कहा- फ्रेंड्स स्टूडेंट के भविष्य के लिए सरकार लगातार कदम उठा रही है। जिन लोगों ने स्टूडेंट के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। वे जेलों में सड़ रहे हैं। हमने फास्ट ट्रैक कोर्ट बना दिए हैं। हम कल संसद में कठोर सजा के साथ प्रावधान ला रहे हैं। लेकिन हमें भविष्य के बारे में भी सोचना है। हमारी परीक्षा सिस्टम विश्वस्त हो, इसमें सबसे ज्यादा टेक्नोलॉजी का उपयोग हो। इंफोसिस को-फाउंडर नंदन नीलेकणी जी के नेतृत्व में एक

> 23 जुलाई की रात 12 बजे एक्स पर पोस्ट किए गए 2.56 मिनट के वीडियो मैसेज में मोदी ने कहा- पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है। लाखों छात्रों, उनके माता-पिता के लिए पीड़ादायक है। इसलिए पेपर लीक से अब तक, पिछले ढाई महीनों में कई कदम उठाए हैं। गुनहगारों को पकड़ा है, वे जेल में हैं। हमारी जिम्मेदारी थी कि छात्रों का साल बर्बाद न हो, इसलिए कम समय में 22 लाख छात्रों का एग्जाम कराया।

हाईपावर टॉस्क फोर्स बनाने का निर्णय लिया है। जो एग्जॉनेशन रिफॉर्म की तरफ फोकस करेगा। उन्होंने यह भी कहा- हम इतने से संतोष करने वाले नहीं हैं। इसलिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का निर्देश दिया है।दरअसल, यह पूरा मामला 3 मई को हुए NEET UG पेपर लीक से जुड़ा है।

सिद्धारमैया का ऐलान- 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और सीनियर कांग्रेस लीडर सिद्धारमैया ने कहा है कि वह 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। हालांकि, वह राजनीति में सक्रिय रहेंगे और जनता के मुद्दे उठाते रहेंगे।

उन्होंने शनिवार को मंड्या जिले के के.आर. पेट में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा- राजनीति अब पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है और ईमानदार राजनीति के लिए जगह नहीं बची है।

सिद्धारमैया ने कहा- मैं अब 79 साल का हो चुका हूं।

हमारी सरकार का कार्यकाल अभी करीब डेढ़ साल बाकी है। तब तक मेरी उम्र 81-82 साल हो जाएगी।

मेरी सेहत पहले जैसी मजबूत नहीं रही। अब पहले जैसे उत्साह के साथ काम करना संभव नहीं है।

स्टूडेंट्स पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया : राहुल

शाह को चिट्ठी लिखी, सीजेपी का सुझाव- पेपर लीक में 10 साल की सजा हो

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। इसमें राहुल ने दो सवाल पूछे हैं। पहला- प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया? अगर आपने नहीं तो फिर किसने दिया? दूसरा- सामान्य कपड़ों में आए जिन लोगों ने लाठीचार्ज किया, वे पुलिसकर्मी थे या वॉलंटियर्स? उनकी तैनाती किसने की। राहुल ने ये भी कहा कि स्टूडेंट्स से बात करने के बजाय सिक्योरिटी फोर्स ने उन्हें पीटा, आंसू गैस के गोले छोड़े। सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। कइयों के निजी अंगों को

जानबूझकर निशाना बनाया गया। 19 साल के छात्र साहिल लोचब की एक आंख चली गई। दिल्ली के जंतर-मंतर पर क्रांतिकारी जनता पार्टी (CJP) का प्रदर्शन खत्म हो चुका है। शनिवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद CJP के प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका जेपी नड्डा से मिले और उनके सामने देश में शिक्षा सुधार के लिए 5 मांगें रखीं।

फास्ट न्यूज

गुजरात, महाराष्ट्र-ओडिशा में बारिश का रेड अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से बने लो प्रेशर और वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से गुजरात, बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश हो रही है। लेकिन यह बारिश अब भी सामान्य से 16.1% कम है। उत्तर भारत में 31 जुलाई तक बारिश का दौर जारी रहेगा।

बच्चे की गड्ढे में डूबकर मौत, पिता वाइस-प्रिंसिपल

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में 6 साल के बच्चे आव्यान की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। शनिवार शाम वह घर के बाहर क्रिकेट खेल रहा था। खेलते-खेलते गड्ढे के पास पहुंच गया। आसपास कीचड़ होने की वजह से फिसलकर गड्ढे में गिर गया। साथ खेल रहे बच्चों ने शोर मचाया। आसपास के लोग भागकर आए। जैसे-तैसे आव्यान को बाहर निकाला। अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना नॉलेज पार्क-2 इलाके की पॉश सोसाइटी कलाधाम में शाम 6:30 बजे की है। कॉलोनी के जिस गड्ढे में गिरकर आव्यान की मौत हुई।

तेलंगाना- चुनाव लड़ने की उम्र 21 साल करने का प्रस्ताव

हैदराबाद। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम उम्र 25 साल से घटाकर 21 साल करने का प्रस्ताव पारित किया जाएगा। इसके बाद, इसे केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। हैदराबाद में नीट पेपर लीक मामले को लेकर आयोजित कैंडल लाइट रैली में उन्होंने ने यह बात कही।

आईटी विभाग आम लोगों को परेशान न करे : सीतारमण

अपनी ताकत से डराएं नहीं, जनता की भलाई के लिए काम करें

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इनकम टैक्स विभाग को आम जनता की भलाई के लिए काम करने की सख्त हिदायत दी है। उन्होंने अफसरों से कहा कि आम लोगों को अपने काम के लिए एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर के चक्कर न कटवाएं। सीतारमण रविवार, 26 जुलाई को मुंबई के नरीमन पॉइंट बिजनेस डिस्ट्रिक्ट में 13 मंजिला 'आयकर सिंधु' इमारत का उद्घाटन करने पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने यह बातें कही हैं। वित्त मंत्री ने उद्घाटन समारोह के दौरान अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि इंडियन रेवेन्यू सर्विस

(IRS) अधिकारियों को खुद 1.13 लाख स्क्वायर फीट में बनी इस 13 मंजिला इमारत के निर्माण और अनुमतियों यानी क्लीयरेंस के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी। सीतारमण ने अधिकारियों को याद दिलाया कि एक IRS अफसर के नाम के पीछे आयकर विभाग का नाम जुड़ा होता है, जो लोगों को डराने के लिए एक शक्तिशाली ताकत जैसा काम करता है। उन्होंने कहा कि जब इतनी पावरफुल बॉडी होने के बावजूद अफसरों को खुद अनुमतियां लेने के लिए दर-दर भटकना पड़ा, तो उन्हें समझ आना चाहिए कि एक आम नागरिक को किस तरह की परेशानियों से गुजरना पड़ता होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि क्या यह अनुभव आपको उस आम नागरिक की स्थिति समझने के लिए प्रेरित कर सकता है जो आपके पास आता है? जहां आपके अधिकार की जरूरत है, वहां उन्हें दर-दर मत भटकाइए; उनके लिए काम कीजिए।

» (शेष पेज 06 पर)

आज का युवा देश की ऊर्जा : पीएम

यही भविष्य बनाएगा, चीन सीमा से लगे 74 गांव घूमकर लौटे प्रतिभागियों से संवाद किया

विकास

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 के तहत रविवार को युवाओं से बातचीत की. बातचीत पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार का मकसद हर युवा को आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाना है. पीएम मोदी ने अकेले यात्रा करने (सोलो ट्रैवलिंग) के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि इससे लोगों को देश घूमने के साथ-साथ खुद को जानने का भी मौका मिलता है. इस दौरान उन्होंने चांगो इलाके की अपनी एक यात्रा

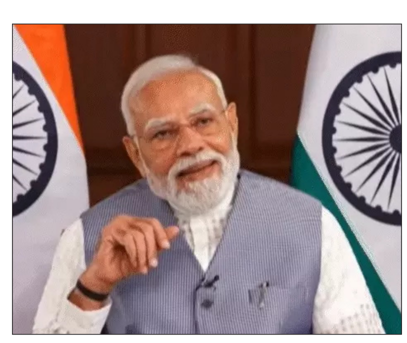

■ यह इवेंट पीएम मोदी के विकसित भारत 2047 विजन का हिस्सा है।

का जिक्र किया. मोदी ने बताया, 'मैं हर दिवाली अपने सैनिक भाइयों से मिलने सीमा पर जाता हूं. यह एक संयोग है. 2016 में दिवाली के दौरान मैं बॉर्डर के पास स्थित चांगो इलाके में गया था.' विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 में शामिल होने पहुंची निकिता ने कहा कि जब मैंने चांगो की यात्रा की तो मैंने ऑनलाइन रील्स में जो देखा था।

250 गांवों के युवा इस कार्यक्रम में हुए शामिल

पीएम मोदी ने कहा, 'आज का कार्यक्रम वाकई खास है. देशभर के लगभग 250 जिलों के गांवों के युवा इस कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं. मैं आप सभी का स्वागत करता हूं. कुछ साल पहले हमने मेरा युवा भारत प्लेटफॉर्म शुरू किया था. आज देशभर के करोड़ों युवा इससे जुड़े हैं. माय भारत के वॉलंटियर पूरे देश में सराहनीय काम कर रहे हैं. विकसित भारत संवाद से लेकर वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम तक . आप सभी ने अपनी काबिलियत को शानदार ढंग से दिखाया है. उन्होंने आगे कहा, 'विकसित भारत युवाल लीडर संवाद के दौरान मैंने युवाओं के साथ एक विचार साझा किया था. यह विचार यह था, क्यों न युवा वर्चुअल माध्यमों से आगे बढ़कर जमीनी स्तर पर उतरें. भारत को जानने, उससे जुड़ने, भारत में जीवन का अनुभव करने और देश को असल में समझने के लिए? गांवों में जाकर ही वहां विकास की अपार आकांक्षाओं का पता चलता है.'

खोज : अगर वह रोड़े अटकाएगा तो सेनाएं तैयार, रक्षामंत्री ने लद्दाख में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा, पाकिस्तान घुसपैठ के : राजनाथ

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा है तो पाकिस्तान घुसपैठ के रास्ते खोज रहा है। भारत शिप डिजाइन कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर डिजाइन में लगा हुआ है। भारत स्टार्टअप इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है। भारत सेमीकंडक्टर बना रहा है तो पाकिस्तान सुसाइड बॉम्बर्स तैयार कर रहा है। साफ है कि हमारे रास्ते अलग-अलग हैं।

ऐसे में पाकिस्तान अपने घटिया मंसूबे लेकर हमारी समृद्धि के रास्ते में रोड़े खड़े करता है तो उसे करारा जवाब देने के लिए हमारी सेनाएं तैयार बैठी हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

> सैनिकों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भी चुनौतियां कम नहीं हुई हैं।

भारत ने ऑपरेशन विजय चलाकर कारगिल जंग लड़ी थी

कारगिल की लड़ाई की शुरुआत तब हुई, जब पाकिस्तानी सैनिकों ने कारगिल की ऊंची पहाड़ियों पर चुपचाप कब्जा कर अपने ठिकाने बना लिए थे। 8 मई 1999 को कारगिल की आजम चौकी पर पाकिस्तान के करीब 12 जवानों ने कब्जा कर लिया था।

शुरुआत में इसे घुसपैठियों द्वारा किया गया हमला बताया गया था, लेकिन बाद में यह साफ हो गया कि इसमें पाकिस्तानी सेना शामिल थी। इन पाकिस्तानी सैनिकों को एक भारतीय चरवाहे ने देख लिया था। इस चरवाहे ने भारतीय सेना के जवानों को पाकिस्तानी सैनिकों के घुसपैठ की सूचना दी। इस तरह भारत को पहली बार घुसपैठ की जानकारी मिली।

कॉकरोच पार्टी की अगली रणनीति जल्द बताएंगे : अभिजीत दीपके

कल ही आंदोलन खत्म हुआ, थोड़ा समय दें, प्रदर्शनकारियों से केस हटाने पर बातचीत जारी

जवाब

तमसा संकेत, एजेंसी

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा- आगे की रणनीति का ऐलान जल्द करेंगे। पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन कल ही खत्म हुआ है। प्लीज हमें थोड़ा समय दें। जब उनसे पूछा गया कि पंजाब में पेपर लीक को लेकर उनकी रणनीति क्या होगी, इस पर दीपके ने जवाब दिया कि उस पर भी बात करेंगे। हम अभी इसके लिए प्लानिंग कर रहे हैं। सरकार के साथ बातचीत पर उन्होंने कहा कि जो केस फाइल किए गए हैं, उनके बारे में बात चल रही है। किसी भी स्टूडेंट के खिलाफ कोई केस रजिस्टर नहीं होना चाहिए। गौरतलब है कि कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के नेतृत्व में

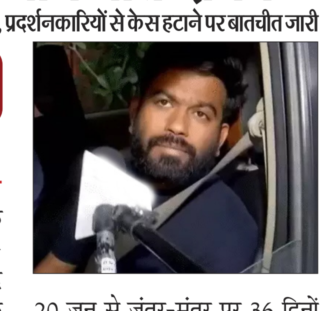

20 जून से जंतर-मंतर पर 36 दिनों तक चला आंदोलन 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री के तौर पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ खत्म हुआ। अभिजीत दीपके रविवार को राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल से मिलने उनके घर पहुंचे थे।

वहां से निकलकर उन्होंने यही बताया कि सरकार से बात चल रही है कि किसी भी स्टूडेंट पर केस न किया जाए। अभिजीत की कपिल सिब्बल से मुलाकात, उनसे लीगल एडवाइज लेने के तौर पर देखी जा रही है।

महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का सशक्त मॉडल बनी 'विदुर प्रेरणा स्वदेशी हर्बल टी' : केशव प्रसाद मौर्य

'मन की बात' में गूंजी बिजनौर की महिलाओं की सफलता

सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा अपने लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' में बिजनौर जिले की महिलाओं द्वारा तैयार 'विदुर प्रेरणा स्वदेशी हर्बल टी' का उल्लेख किया जाना उत्तर प्रदेश की स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी लाखों महिलाओं के लिए गौरव, सम्मान और नई प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 'वोकल फॉर लोकल', 'आत्मनिर्भर भारत' और महिला सशक्तिकरण का

संकल्प निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है तथा यह उपलब्धि उसी परिवर्तनकारी सोच का सशक्त उदाहरण है। मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 'मन की बात' में इस पहल का उल्लेख उत्तर प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं के आत्मविश्वास को नई ऊर्जा देगा तथा स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के अभियान को और गति मिलेगी।

'विदुर प्रेरणा स्वदेशी हर्बल टी' को मिला राष्ट्रीय सम्मान

स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार की जा रही 'विदुर प्रेरणा स्वदेशी हर्बल टी'

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजनौर के विकास खंड कोतवाली के ग्राम लखीवाला की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार की जा रही 'विदुर प्रेरणा स्वदेशी हर्बल टी' स्थानीय संसाधनों, नवाचार और महिला उद्यमिता का उत्कृष्ट मॉडल बनकर उभरी है। लेमनग्रास, गिलोय, मुलेठी, तुलसी, कच्ची हल्दी, दालचीनी, इलायची और सौंफ जैसी प्राकृतिक सामग्री से तैयार यह हर्बल टी लगभग रू 1 लाख की छोटी शुरुआत से आज देश के प्रतिष्ठित संस्थानों तक अपनी पहचान बना चुकी है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी संभावनाएं मजबूत कर रही है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए स्वयं सहायता समूह से जुड़ी सभी माताओं-बहनों एवं पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि यह ब्रांड ग्रामीण महिलाओं को स्थायी बाजार उपलब्ध कराने के साथ उनके उत्पादों के प्रभावी विपणन का मजबूत माध्यम बना है। इसी का परिणाम है कि बिजनौर जनपद में 30 हजार से अधिक लखपति दीदियों के निर्माण में इस पहल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसकी पूर्णतः डिजिटल सप्लाई चेन एवं विपणन व्यवस्था के माध्यम से वेब पोर्टल और मोबाइल एप के जरिए ऑर्डर प्रबंधन, उत्पाद ट्रेसबिलिटी, इन्वेंट्री तथा वितरण प्रणाली का सफल संचालन किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सराहा बिजनौर की महिला शक्ति का नवाचार, स्वयं सहायता समूहों की बढ़ी प्रतिष्ठा

'मन की बात' में बिजनौर की 'विदुर प्रेरणा स्वदेशी हर्बल टी' का उल्लेख, ग्रामीण महिला शक्ति को मिला राष्ट्रीय सम्मान

बिजनौर का 'विदुर प्रेरणा स्वदेशी' मॉडल बना महिला उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की सशक्त पहचान

बुआ की बेटी के साथ युवक ने किया सुसाइड

चलती ट्रेन से कूदकर दोनों लखनऊ आए

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ में एक युवक ने अपनी बुआ की बेटी के साथ सुसाइड कर लिया है। रविवार तड़के दोनों की डेडबॉडी तेलीबाग में किराये के घर में सीलिंग फैन पर अलग-अलग कपड़ों के फंदे से लटकी मिली। दोनों के बीच करीब 3 साल से अफेयर था।

वे शादी करना चाहते थे लेकिन इसके लिए घरवाले और रिश्तेदार राजी नहीं थे। दोनों को समझाने के लिए परिजन उन्हें इटावा में रहने वाले एक रिश्तेदार के यहां ले जा रहे थे। कानपुर में दोनों चलती ट्रेन से कूदकर लखनऊ आ गए थे।

घटना तेलीबाग के बलदेव विहार कॉलोनी की है। युवक की पहचान शाहजहांपुर के रीवा निगोही निवासी राम अवतार के बेटे अनिकेत उर्फ रानू कुमार (21) और युवती की पहचान गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी निवासी महेंद्र की बेटी अंजलि (18) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर युवती के परिजनों को सूचना दे दी है।

जानकारी के अनुसार, अनिकेत 23 जुलाई को अहमदाबाद जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वह खोड़ा पहुंच गया। वहां से वह अंजलि के साथ निकला। परिवार वालों को दोनों 25 जुलाई को अयोध्या में में मिले। परिजन दोनों को एक रिश्तेदार के घर इटावा ले जा रहे थे। कानपुर में ट्रेन चलते ही दोनों नीचे कूद गए और लखनऊ आ गए।

फास्ट न्यूज

हथियारबंद बदमाशों ने बंधक बनाकर व्यापारी को लूटा

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरा नगर में शुक्रवार-शनिवार की बीच रात करीब 2 बजे बदमाशों ने एक व्यापारी के घर जमकर उत्पात मचाया। व्यापारी, उसकी पत्नी और बेटी को जमकर पीटा भी। इतना मारा कि तीनों के सिर फट गए। व्यापारी के सिर पर 18 टांके लगाने पड़े, उनकी हालत गंभीर है। पीड़ितों के अनुसार, हथियारबंद बदमाश घर में पहले से छिपे थे।

शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी आग

लखनऊ। लखनऊ के विकासनगर सेक्टर-6 में रविवार को सुबह 8:30 बजे एक मकान में अचानक आग लग गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, शॉर्ट सर्किट के कारण पहली मंजिल पर बने स्टोर रूम में आग शुरू हुई। खिड़कियों से आग की लपटें निकलने लगीं। देखते ही देखते धुआं पूरे मकान में फैल गया। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को दी। जब तक दमकल की टीम पहुंची, तब तक आसपास के लोग अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास करते रहे। सूचना मिलते ही दो फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया।

महिला कॉन्स्टेबल ने पति पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

लखनऊ। लखनऊ के तालकटोरा में रहने वाली उत्तर प्रदेश पुलिस की एक महिला कॉन्स्टेबल ने अपने पति पर मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न, जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। कॉन्स्टेबल का आरोप है कि पति ने चार साल की बेटी को अपने पास रख लिया, जिसे वापस नहीं कर रहा है। पीड़िता ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

'धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे का क्रेडिट कांग्रेस को नहीं मिलेगा'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रामदास आठवले ने कहा कि अभिजीत दीपके के आंदोलन से केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा हुआ। इसका क्रेडिट कांग्रेस को नहीं मिलेगा। युवाओं की जो नाराजगी और उनकी जो मांगें थीं, वह सब मोदी सरकार ने मान ली हैं। और भी कोई बात होगी तो उसे सरकार मानेगी।

आठवले ने आगामी यूपी विधानसभा चुनाव भी अपना मत रखा। कहा- उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी एनडीए के सहयोगी के रूप में 20 से 25 सीटों की दावेदार है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा अनुप्रिया पटेल, निषाद पार्टी और सुभासपा जैसे सहयोगियों को प्रतिनिधित्व दे सकती है, तो आरपीआई को भी उचित सम्मान मिलना चाहिए। यह बात आठवले ने

रामदास आठवले बोले- मोदी सरकार ने छात्रों की बात मानी, और भी मानेंगे

लखनऊ में मीडिया के सामने कही।

आठवले ने दावा किया कि यदि भाजपा आरपीआई को गठबंधन में शामिल रखती है तो उसे बसपा से नाराज दलित मतदाताओं का 2 से 3 प्रतिशत अतिरिक्त समर्थन मिल सकता है, जिससे सरकार बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने का समय मांगा गया है। रामदास आठवले ने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश में इंडिया में नहीं शामिल किया गया तो हम यूपी में 20 से 25 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेंगे।

लखनऊ में शादी का झांसा देकर किशोरी से रेप

सरोजनी नगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में एक किशोरी से दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को रविवार को जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, सरोजनी नगर की रहने वाली 16 वर्षीय कक्षा 12 की छात्रा की करीब एक साल पहले इंस्टाग्राम पर एक युवक से दोस्ती हुई थी। युवक ने खुद को अविवाहित बताकर शादी का झांसा दिया, जबकि वह पहले से शादीशुदा था। इस दौरान उसने किशोरी के साथ कई बार दुष्कर्म किया। आरोप है कि आरोपी ने किशोरी का आपत्तिजनक वीडियो भी बनाया और उससे कुछ गहने भी ले लिए। किशोरी को आरोपी के शादीशुदा होने का पता चला, तो उसने शादी का दबाव बनाया। इस पर आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे लगातार ब्लैकमेल करता रहा। परेशान किशोरी ने बाद में अपने परिजनों को पूरी बात बताई।

अंतरराज्जीय अवैध स्पूरियस/काउंटरफीट औषधि निर्माण रैकेट का भंडाफोड़-मेरठ

बागपत एवं उधम सिंह नगर में संयुक्त छापेमारी

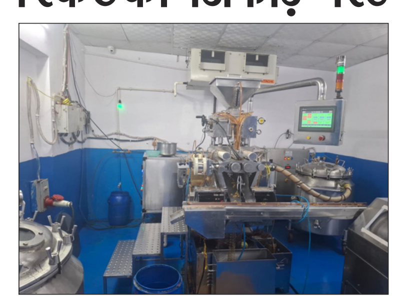

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण औषधियां उपलब्ध कराने तथा अवैध एवं नकली (स्पूरियस/काउंटरफीट) दवा व्यापार पर प्रभावी रोकथाम हेतु खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश विभाग द्वारा दिनांक 24.07.2026 को प्राप्त गुप्त अभिसूचना के आधार पर सहायक आयुक्त (औषधि), मेरठ मंडल के नेतृत्व में आशुतोष मिश्रा औषधि निरीक्षक,आगरा, संतोष कुमार पटेल औषधि निरीक्षक मेरठ एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी मेरठ की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम खरदौनी शेखपुर, थाना इंचोली, जनपद मेरठ स्थित परिसर पर छापेमारी की गई। मौके से औषधियों की पैकेजिंग में प्रयुक्त

होने वाली ब्लिस्टर पैकिंग मशीन, कंप्रेसर मशीन तथा चेंज पार्ट्स बरामद किए गए। जाँच में स्पष्ट उजागर हुआ किमैसर्स आर.एस. ग्लोबल फार्मा रुद्रपुर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड तथा विकास चौहान और उसका सहयोगी राजेन्द्र सिंह उर्फ अरुण कुंडा की आपस में गहरी सांठ-गांठ से प्रॉक्टर-गैंबल (पी-एच) Health Limiteddaiuh का प्रसिद्ध ब्रांड 'Evion 400mg Soft Gel Capsule' का लेबिल लगाकर फूड सप्लीमेंटके रूप में प्रयोग होने वाले विटामिन -ई 10एमजी की मात्रा को 400 उह मात्रा के कैप्सूल जो की औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है, का निर्माण कर बाजार में खपाया जा रहा था।

मामले की कड़ियों को जोड़ते हुए दिनांक 25.07.2026 को औषधि निरीक्षक दल द्वारा मैसर्स आर.एस. ग्लोबल फार्मा रुद्रपुर, उत्तराखंडका औचक निरीक्षण किया गया।

की गई जाँच

जाँच में पाया गया कि मैसर्स प्रेस्कॉट फार्मा जेल प्रा. लि. के पास केवल फूड हेल्थ सप्लीमेंट्स एवं न्यूट्रास्युटिकल्स एफएसएसएआई लाइसेंस/फॉर्म सी का लाइसेंस था, जिसके तहत वे न्यूट्रिशनल/प्रोफिलैक्टिक उपयोग हेतु केवल विटामीन ई10एमजी कैप्सूल का निर्माण कर सकते थे। नियमों के विपरीत, निर्माता फर्म द्वारा अवैध रूप से बल्क में 06 लाख बिना पैकिंग वाले विटामीन ई10एमजी सॉफ्टजेल कैप्सूल मैसर्स आर.एस. ग्लोबल फार्मा को बेचे गए।

अयोध्या डीआईजी, एसएसपी भी टीम में, 2 दिन बाद सुप्रीम कोर्ट में पेश होगी रिपोर्ट

राम मंदिर चढ़ावा चोरी : किरण एस. लीड करेंगे नई एसआईटी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में यूपी सरकार ने नई विशेष जांच टीम (SIT) का गठन कर दिया है। इसमें तीन सदस्य है। इसकी कमान आईजी लखनऊ रेंज किरण एस. को सौंपी गई है। पहले SIT की अध्यक्षता IAS अधिकारी विजय विश्वास पंत कर रहे थे। किरण एस. उनकी टीम में थे, मगर टीम के इंचार्ज विश्वास पंत थे। सुप्रीम कोर्ट ने 13 जुलाई, 2026 को मामले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ IPS अधिकारी की अध्यक्षता में नई SIT गठित करने का आदेश दिया था। ये आदेश चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने सुनवाई के दौरान दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट

ने कहा था कि 27 जुलाई को राम मंदिर चढ़ावा चोरी की स्टेटस रिपोर्ट पेश करनी होगी। इस आदेश के तुरंत बाद यूपी सरकार ने SIT का गठन कर दिया था। कोर्ट ने माना था कि क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन और चोरी के मामलों की तकनीकी जांच में पुलिस अधिकारियों की भूमिका सीधी और ज्यादा असरदार होती है। इसलिए DIG और SSP को सदस्य बनाकर जांच का दायरा सीधे पुलिस महकमे के अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

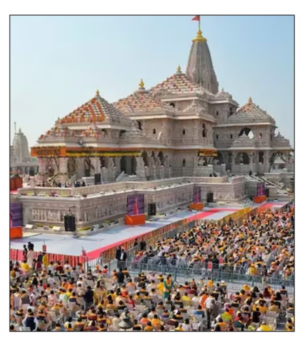

> पुलिस विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के नए दिशा-निर्देशों के बाद अब एसआईटी का पुनर्गठन कर आईजी लखनऊ रेंज को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। जबकि, अयोध्या के डीआईजी और एसएसपी को इसका सदस्य नियुक्त किया गया है।

कानपुर से बोला लखनऊ एयरपोर्ट पर बम है, गिरफ्तार

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर बम की अफवाह वाले व्यक्ति को पुलिस ने कानपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी श्याम सुंदर (30) से पूछताछ की जा रही है। शुक्रवार रात मिली इस सूचना के बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां चौकन्ना हो गईं। हालांकि, घंटों जांच के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

इस मामले में सरोजनी नगर थाने के उप निरीक्षक निशु चौधरी ने रविवार सुबह मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी के खिलाफ एनसीआर दर्ज कराया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सर्विलांस के माध्यम से मोबाइल नंबर को ट्रेस किया गया, जिसकी लोकेशन कानपुर पाई गई। कानपुर के बिधूना स्थित जयसिंहपुर निवासी राज किशोर के बेटे श्याम सुंदर को पुलिस ने कानपुर से गिरफ्तार कर लिया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 11:45 बजे एक मोबाइल नंबर से डायल-112 पर लखनऊ एयरपोर्ट पर बम होने की सूचना दी गई थी।

सैरपुर में दिनदहाड़े 14 लाख की चोरी कैश और गहने ले गए

बंद घर का ताला तोड़कर घुसे चोर, सीसीटीवी में कैद

तमसा संकेत, एजेंसी

बख्शी का तालाब । लखनऊ के सैरपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को दिनदहाड़े एक बड़ी चोरी की वारदात हुई। अज्ञात चोर बंद मकान का ताला तोड़कर करीब 12 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और 2 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए। कुल 14 लाख रुपये की चोरी बताई जा रही है। 2 चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं।

यह घटना न्याय विहार, गली नंबर-7, सीतापुर रोड स्थित B1-21 निवासी आशीष के घर में हुई। आशीष का परिवार शनिवार सुबह किसी काम से घर से बाहर गया था। दोपहर करीब 3 बजे अज्ञात चोरों ने मकान का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया। चोरों ने घर में घुसकर अलमारियों के लॉक तोड़े और उनमें रखे सोने-चांदी के आभूषणों तथा नकदी को समेट लिया। शाम को

- रेकी करके घर में घुसे चोर
- नौकरानियों पर चोरी का शक जाहिर किया

जब परिवार घर लौटा, तो उन्होंने कमरों का सामान बिखरा हुआ और अलमारियों के ताले टूटे हुए पाए। तत्काल सैरपुर थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि बदमाशों ने वारदात को अंजाम देने से पहले घर की रेकी की थी।

उत्साह : 1090 चौराहे पर विक्ट्री मार्च ■ तिरंगा लहराया ढोल बजाकर नाचे

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर लखनऊ में जश्न

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से खुश लोगों ने लखनऊ में रविवार को 1090 चौराहे पर जश्न मनाया। विभिन्न सामाजिक और छात्र संगठनों ने विक्ट्री मार्च निकाला। हाथों में तिरंगा, पोस्टर और बैनर लेकर जश्न मनाया। विक्ट्री मार्च में समाजवादी छात्र सभा, NSUI, AISA, SFI समेत लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने हिस्सा लिया। विक्ट्री मार्च में शामिल NSUI प्रदेश उपाध्यक्ष अहमद ने कहा कि यह जीत छात्र शक्ति की है। जिस तरह से पूरे देश के युवाओं ने छात्र शक्ति का अहसास कराया है, इसे इतिहास में दर्ज किया जाएगा। दिल्ली के जंतर-मंतर से शुरू हुआ या आंदोलन देश के कोने-कोने तक

पहुंचा। भारतीय जनता पार्टी और सत्ता में बैठे हुए लोगों को यह अभिमान था कि छात्र उनके सामने झुकेंगे। मगर वह यह भूल गए कि जिस ओर जवानी चलती है, उसी ओर जमाना चलता है। देश के पढ़े-लिखे युवा ने यह बता दिया कि गलत के सामने डटकर खड़े होंगे।

अदिति ने कहा कि वह नीट एस्पिरेंट रही हैं। उनके समय भी ऐसा ही हुआ था कि अचानक से एग्जाम की डेट बदल दी गई थी, जिससे काफी प्रभावित हुए थे। पिछले साल भी कई पेपर लीक हुए। घोटाले हुए। इससे छात्रों पर बहुत असर पड़ता है। हमने तीन बार नीट की परीक्षा दी है।

'जेन जी को अपनी बात रखनी आती है'

जश्न मना रही लॉ स्टूडेंट इशिता त्रिपाठी ने कहा कि सरकार से अकाउंटेबिलिटी मांगने का यह बहुत छोटा सा काम था। राजनाथ सिंह हमेशा कहते आए हैं कि इस सरकार में इस्तीफा नहीं होता तो यह इस्तीफा अकाउंटएबिलिटी की शुरुआत है। यह उसका पहला स्टेप है। Gen Z को अपनी बात रखनी आती है और उसकी मांग पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रोटेस्ट जितने हुए उसमें संस्कार भी था। क्रिएटिविटी थी। हमने जंतर-मंतर से लेकर हर जगह बहुत यूनिक तरीके से प्रोटेस्ट किया। क्रिएटिविटी के साथ Gen Z सामने आया और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखकर प्रदर्शन किया है।

> पीएम मोदी इन युवाओं को कहा करते थे की रील बनाइये, रोजगार पाइये। वही रील इस सरकार पर चढ़ गया और इसे धराशाही कर दिया। अमेरिका जैसे शहरों में जो डेमोक्रेसी और प्रदर्शन की तस्वीर आती थी, वही यहां भी आई है।

सपा कार्यालय के बाहर होर्डिंग धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे पर दिया गया धन्यवाद

युवाओं को देश का भविष्य बताया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में रविवार को सपा कार्यालय के बाहर होर्डिंग लगाकर इसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे को छात्रों की जीत बताई गई। होर्डिंग के जरिये आंदोलन को सफल बनाने में योगदान देने वाले छात्रों, कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और आम जनता के प्रति आभार व्यक्त किया गया है। इन पोस्टरों को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया है।

होर्डिंग में छात्र आंदोलन को जनता और समाजवादी कार्यकर्ताओं की सामूहिक जीत बताया गया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और सांसद डिंपल यादव के नेतृत्व और सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद प्रकट किया गया है। पोस्टर में कहा गया है कि

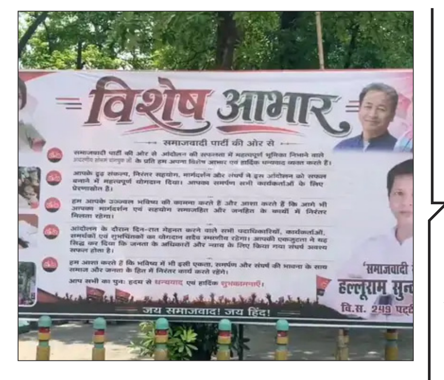

आंदोलन की सफलता सभी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और आम लोगों के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। पोस्टर में आंदोलन के दौरान दिन-रात मेहनत करने वाले पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के समर्पण की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया गया है। साथ ही यह संदेश भी दिया गया है कि जनता के अधिकारों और न्याय की लड़ाई में समाजवादी पार्टी आगे भी पूरी मजबूती से संघर्ष करती रहेगी।

भविष्य में जनहित कार्यों का संकल्प

होर्डिंग में भविष्य में भी जनहित और सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर लगातार काम करने का संकल्प दोहराया गया है। इसे लोकतांत्रिक संघर्ष की सफलता बताते हुए जनता के सहयोग को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताया है। होर्डिंग समाजवादी पार्टी के नेता हल्लूराम सुंदर यादव की ओर से लगवाई गई है।

सपा नेता ने जारी किया वीडियो, उन्नाव के कोरारी के पास बारिश में 5 से 7 मीटर सड़क धंसने का दावा

लोकार्पण के 12 दिन बाद ही धंसा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे

मरम्मत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में लखनऊ-कानपुर ग्रीनफील्ड नेशनल एलिवेटेड एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा लोकार्पण के महज 12 दिन बाद ही धंसने का मामला सामने आया है। उन्नाव जिले के कोरारी क्षेत्र में कानपुर से लखनऊ जाने वाली लेन पर लगातार बारिश के बीच सड़क का हिस्सा धंसने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना के बाद एक्सप्रेसवे के निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सूचना मिलते ही निर्माण एजेंसी की टीम मौके पर पहुंची और

क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत शुरू करा दी। घटना उन्नाव के कोरारी क्षेत्र में किलोमीटर-64 के पास हुई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सड़क का एक हिस्सा धंसा हुआ दिखाई दे रहा है।

दावा किया जा रहा है कि करीब 5 से 7 मीटर सड़क क्षतिग्रस्त हुई है। हालांकि, इस दावे की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

"प्रोजेक्ट मैनेजर वी कुंडू ने बताया- लगातार हो रही बारिश के कारण कुछ स्थानों पर तकनीकी दिक्कतें सामने आई हैं, जिन्हें तत्काल ठीक कराया जा रहा है। यह नया निर्माण है, इसलिए शुरुआती चरण में इस तरह की कुछ तकनीकी समस्याएं आ सकती हैं।हमारी टीम लगातार मौके पर निगरानी कर रही है। फिलहाल कहीं भी यातायात बाधित नहीं है और आवागमन सामान्य रूप से जारी है।

सपा नेता ने शेयर किया वीडियो, गुणवत्ता पर उठे सवाल

समाजवादी पार्टी के नेता मधुसूदन यादव ने घटनास्थल का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सरकार पर सवाल उठाए। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने करोड़ों रुपये की लागत से बने इस हाईटेक एक्सप्रेसवे के निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े किए। घटना की जानकारी मिलते ही निर्माण एजेंसी के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। प्रभावित हिस्से की तत्काल मरम्मत शुरू कराई गई ताकि यातायात प्रभावित न हो। एजेंसी ने सड़क को जल्द से जल्द दुरुस्त कर यातायात सामान्य बनाए रखने का प्रयास किया।

धंसने के कारणों पर नहीं आया आधिकारिक बयान

निर्माण एजेंसी की ओर से अभी तक सड़क धंसने के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। यह स्पष्ट नहीं है कि सड़क तकनीकी खामी के कारण धंसी या लगातार बारिश से मिट्टी के कटाव की वजह से यह स्थिति बनी। प्रशासन और संबंधित विभाग की जांच के बाद ही वास्तविक कारण सामने आएंगे। फिलहाल एजेंसी ने मरम्मत कार्य पूरा कर यातायात सामान्य बनाए रखने का दावा किया है।

हाल ही में हुआ था एक्सप्रेसवे का लोकार्पण

63 किलोमीटर लंबे लखनऊ-कानपुर ग्रीनफील्ड नेशनल एलिवेटेड एक्सप्रेसवे का लोकार्पण 13 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने किया था।

सीएमओ के औचक निरीक्षण से सीएचसी में हड़कंप

गंदगी पर जताई नाराजगी, सुविधाएं बढ़ाने के दिए निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के रामसनेहीघाट स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ. रंजन गौतम ने रविवार दोपहर करीब 12 बजे औचक निरीक्षण किया। इस अचानक निरीक्षण से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। इस दौरान इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉ. अनूप सैनी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। सीएमओ डॉ. गौतम ने सर्वप्रथम इमरजेंसी वार्ड का जायजा लिया। उन्होंने वहां भर्ती सर्पदंश के दो मरीजों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य और उपचार की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने लेबर रूम, महिला एवं पुरुष वार्ड सहित अस्पताल के विभिन्न विभागों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में कई स्थानों पर गंदगी देखकर डॉ. गौतम

ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने तत्काल साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और कहा कि मरीजों व उनके परिजनों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के लिए अस्पताल परिसर स्वच्छ व व्यवस्थित होना चाहिए। सीएमओ को अस्पताल परिसर में जर्जर भवन और टूटी हुई बाउंड्री भी मिली। साथ ही, उन्होंने पुराने एक्स-रे सिस्टम को बदलकर डिजिटल एक्स-रे मशीन, अल्ट्रासाउंड सुविधा उपलब्ध कराने और रेडियोलॉजिस्ट व अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

फास्ट न्यूज

उन्नाव में अधूरे पुल पर भड़के भाजपा विधायक

उन्नाव। उन्नाव के मोहान विधानसभा क्षेत्र में अधूरे पुल निर्माण कार्य को लेकर भाजपा विधायक बृजेश रावत ने सख्त रुख अपनाया। इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी की पूर्व प्रत्याशी आँचल वर्मा द्वारा किए गए प्रदर्शन के बाद, विधायक ने पक्षी विहार में एक प्रेस वार्ता आयोजित की। प्रेस वार्ता के दौरान, विधायक रावत ने लोक सेतु निगम के जूनियर इंजीनियर (जेई) को निर्माण में देरी पर जमकर फटकार लगाई।

ट्रेन से गिरकर हरदोई के युवक की मौत

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के रोजा-पं. रामप्रसाद बिस्मिल रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे लाइन के पास रविवार सुबह एक युवक की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई।

युवक का शव झाड़ियों में मिला।

मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक युवक की शिनाख्त उसके जेब में मिले आधार कार्ड से हुई है। घटना की जानकारी पुलिस ने परिजनों के दे दी है।

हादसे की सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य शाहजहांपुर पहुंच गए।

100 से अधिक बच्चों को शिक्षा

सुलतानपुर। घर सुल्तानपुर फाउंडेशन मिशन ज्ञानदीप के तहत सुल्तानपुर में 100 से अधिक बच्चों को नियमित शिक्षा प्रदान कर रहा है। इस पहल के अंतर्गत निषाद बस्ती, बल्लीपुर में बच्चों को गणित, अंग्रेजी और कंप्यूटर की रविवार 2 बजे तक शिक्षा दी गई है।
फाउंडेशन प्रत्येक रविवार को बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करता है, ताकि वे आधुनिक तकनीक और डिजिटल दुनिया से जुड़ सकें।

उन्नाव में कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को भी दी श्रद्धांजलि

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर कांग्रेस का विजय जुलूस

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में नगर कांग्रेस कमेटी गंगाघाट ने रविवार दोपहर कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को छात्रों की जीत बताते हुए एक विजय जुलूस भी निकाला गया। यह जुलूस आनंद घाट स्थित शहीद स्मारक से शुरू होकर गांधी चौक और मिश्रा कॉलोनी तक पहुंचा। कार्यक्रम की शुरुआत आनंद घाट स्थित शहीद स्मारक पर कारगिल युद्ध के शहीदों को मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले

वीर जवानों को नमन किया। इसके बाद नगर अध्यक्ष मयंक बाजपेयी के नेतृत्व में विजय जुलूस निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। जुलूस के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और हाल ही में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को छात्रों एवं विपक्ष की जीत बताया। नगर अध्यक्ष मयंक बाजपेयी ने कहा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा देश के युवाओं और विपक्ष के संघर्ष का परिणाम है।

कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि देश का युवा अब जागरूक हो चुका है और आने वाले समय में जनता लोकतांत्रिक तरीके से अपना फैसला सुनाएगी। इस कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष मयंक बाजपेयी के अलावा दूधनाथ वर्मा, बाबूलाल गुप्ता, निर्मल बाजपेयी, महेश मिश्रा, तन्मय श्रीवास्तव, विश्वनाथ दास, संजय बाजपेयी, पंकज सिंह, संजय सिंह और इकबाल अवस्थी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डिग्री कॉलेज शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस कार्ड वितरित

सुलतानपुर में सीडीओ ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अतिथियों को भेंट किए पौधे

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुलतानपुर कलेक्ट्रेट के नवीन सभागार में रविवार को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के कार्ड वितरित किए गए। इस योजना का लाभ डिग्री कॉलेज के शिक्षकों को मिला। डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा में आयोजित मुख्य कार्यक्रम से मुख्यमंत्री द्वारा शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा और सुना गया। इसके बाद जनपद स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

रविवार को जनपद स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील कुमार त्रिपाठी, विधान परिषद सदस्य शैलेंद्र प्रताप सिंह, सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय, मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह और नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने

संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ किया। इस अवसर दोपहर 2 बजे पर राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गनपत सहाय पीजी कॉलेज और केएनआईपीएसएस के बीस शिक्षकों को जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रतीक स्वरूप कैशलेस चिकित्सा कार्ड प्रदान किए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अतिथियों को पौधे भेंट कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रीति प्रकाश ने किया, जबकि आभार ज्ञापन प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक एस.पी. सिंह, सह जिला विद्यालय निरीक्षक जटा शंकर, प्राचार्य डॉ. अजय सिंह, प्रोफेसर अंग्रेज सिंह राणा, डॉ. सुनील त्रिपाठी और डॉ. एस.पी. सिंह सहित विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी और विशिष्ट जन उपस्थित रहे।

हरदोई में खाने में नींद की गोली मिला बेहोश किया, 16 गिरफ्तार, 1.29 करोड़ बरामद

व्यापारी के घर से 3 नौकरों ने करोड़ों चुराए

- **सभी बैग पिकअप में रखकर आरोपी मौके से फरार हो गए थे।**
- **पुलिस ने दो नाबालिग समेत 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 1 करोड़ 28 लाख 99 हजार 310 रुपए नकद बरामद किए गए हैं।**

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में जिस व्यापारी ने सात साल तक नौकरों को परिवार का सदस्य मानकर आंख मूंदकर भरोसा किया, उन्हीं ने विश्वासघात कर करोड़ों रुपए की चोरी की साजिश रच डाली। पहले व्यापारी और उनकी पत्नी के खाने में नींद की गोलियां मिलाईं, फिर देर रात घर में रखी

नकदी 8 बैग्स में भरी और उसे लेकर फरार हो गए। पुलिस ने जब व्यापारी के घर हुई चोरी का खुलासा किया तो सब हैरान रह गए। दरअसल, घर के तीन नौकरों ने चोरी को अंजाम दिया था और इसका मास्टर-माइंड मुनीम का जीजा था। शनिवार को हुए खुलासे में पुलिस ने बताया कि 3 नौकरों समेत 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 1 करोड़ 28 लाख 99 हजार 310 रुपए नकद भी बरामद किए गए हैं। घटना शहर के रेलवेगंज इलाके की है। व्यापारी ने 17 जुलाई को चोरी की एफआईआर तो दर्ज कराई थी, लेकिन चोरी गई रकम का जिक्र नहीं किया था। एएसपी पूर्वी सुबोध गौतम ने बताया कि चोरी की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस ने करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके अलावा सर्विलांस की मदद ली गई और आरोपियों की तलाश में उत्तराखंड व दिल्ली तक दबिश दी गई।

सात साल पुराने भरोसे का उठाया फायदा

पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि शोभित और दो अन्य नाबालिग नौकर व्यापारी के यहां काम करते-करते परिवार के बेहद करीब हो गए थे। वे दुकान से लेकर घर तक बेरोकटोक आते-जाते थे और दोनों जगहों के छोटे-मोटे काम भी करते थे।

व्यापारी और उनके परिवार को तीनों नौकरों पर पूरा भरोसा था। वे दुकान के साथ-साथ घर के कामों में भी हाथ बंटाते थे। मुनीम का जीजा अजय शुक्ला यह सब जानता था। साथ ही उसे यह भी पता था कि व्यापारी के घर में बड़ी मात्रा में नकदी रहती है। इसी का फायदा उठाने के लिए उसने चोरी की योजना बनाई।

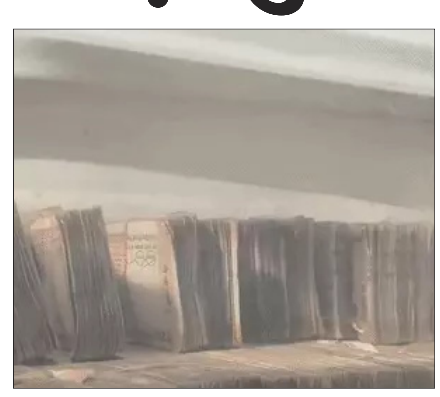

खाने में मिलाईं नींद की गोलियां

पुलिस के मुताबिक, 16 जुलाई की रात शोभित और दोनों नाबालिग कर्मचारियों ने व्यापारी और उनकी पत्नी के खाने में नींद की गोलियां मिला दीं। दोनों के गहरी नींद में जाने के बाद आरोपियों ने दूसरी मंजिल स्थित बेडरूम की अलमारी से नकदी से भरे आठ बैग निकाल लिए। नीचे पहले से अजय, शिवम और बदन पिकअप वाहन लेकर खड़े थे। सभी बैग वाहन में रखे गए और आरोपी फरार हो गए।

मुनीम का जीजा निकला मास्टरमाइंड

पुलिस जांच में सामने आया कि वारदात को अंजाम देने में घर के तीन नौकर शोभित और दो नाबालिग शामिल थे, जबकि पूरी साजिश का मास्टरमाइंड व्यापारी के मुनीम संचित का जीजा अजय शुक्ला था। टड़ियावां थाना क्षेत्र के बेलाहा गांव निवासी अजय शुक्ला ने अपने दो साथियों शिवम और बदन के साथ मिलकर पूरी साजिश रची थी। जबकि बदन भी नघेटा पूर्वी का रहने वाला है और मजदूरी करता है।

लेखपाल पूजा देवी निलंबित

हरदोई। हरदोई की शाहाबाद तहसील में लेखपाल पूजा देवी को निलंबित कर दिया गया। उन्होंने तत्कालीन एसडीएम सुशील कुमार मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए थे, लेकिन तीन सदस्यीय जांच समिति ने इन आरोपों को निराधार पाया। डीएम के निर्देश पर शाहाबाद के एसडीएम अवनीश कुमार ने यह कार्रवाई की। लेखपाल पूजा देवी ने एसडीएम पर दुर्व्यवहार, जातिसूचक टिप्पणी और वर्ग विशेष को लेकर आपत्तिजनक व्यवहार करने का आरोप लगाया था। जांच समिति ने 14 जुलाई 2026 को अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें इन आरोपों की पुष्टि नहीं हुई। समिति ने अपनी जांच में पाया कि पूर्व परगना आलमनगर और पछोहा की खतौनी फीडिंग का कार्य लंबे समय से लंबित था। यह जिम्मेदारी पूजा देवी को सौंपी गई थी, लेकिन उन्होंने इसे पूरा नहीं किया। समिति ने इसे दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही माना, जिससे भूलेख संबंधी कार्य प्रभावित हुए।

अभियान : घर के बाहर खेलते समय हुए थे लापता, परिजन कर रहे थे तलाश

हरदोई पुलिस ने 3 घंटे में दो बच्चे बरामद किए

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई शहर कोतवाली पुलिस ने ऑपरेशन स्माइल अभियान के तहत सराहनीय कार्रवाई करते हुए लापता हुए दो मासूम बच्चों को महज तीन घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया। बच्चों की सुरक्षित वापसी के बाद रविवार दोपहर उन्हें उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से परिवार ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार जताया। पुलिस के अनुसार, 25 जुलाई को शहर कोतवाली में एक व्यक्ति ने अपने दो बच्चों के लापता होने की सूचना दी थी। दोनों बच्चों की उम्र करीब पांच और छह वर्ष बताई गई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि बच्चे

शाम के समय घर के बाहर खेल रहे थे, लेकिन कुछ देर बाद अचानक कहीं चले गए। काफी तलाश के बावजूद उनका कोई पता नहीं चला तो मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।

टना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा के निर्देश पर ऑपरेशन स्माइल अभियान के तहत शहर कोतवाली पुलिस की विशेष टीम सक्रिय हो गई। टीम ने बच्चों की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर सर्च अभियान चलाया और स्थानीय लोगों से पूछताछ शुरू की। इसके अलावा सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों का भी सहारा लिया गया, ताकि बच्चों के बारे में जल्द से जल्द जानकारी मिल सके।

ऑपरेशन स्माइल के तहत लगातार चल रहा अभियान

हरदोई पुलिस ने बताया कि जनपद में लापता बच्चों की सुरक्षित बरामदगी के लिए ऑपरेशन स्माइल अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य गुमशुदा बच्चों को जल्द से जल्द खोजकर उन्हें सुरक्षित उनके परिवार तक पहुंचाना है। बच्चों की तलाश और सुरक्षित बरामदगी में शहर कोतवाली की टीम के उपनि-रीक्षक केके यादव, कांस्टेबल योगेश कुमार और कांस्टेबल रवीश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने टीम की तत्परता और समर्पण की सराहना की।

पुलिस की अपील: बच्चे के लापता होने पर तुरंत दें सूचना

हरदोई पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि कोई बच्चा लापता हो जाए तो बिना समय गंवाए तत्काल नजदीकी पुलिस थाने या आपातका-लीन हेल्पलाइन पर सूचना दें।

समय पर मिली जानकारी से पुलिस तेजी से कार्रवाई कर बच्चों को सुरक्षित खोजने में अधिक सफल हो सकती है।

तीन घंटे के भीतर दोनों बच्चे सुरक्षित मिले

लगातार की गई तलाश और पुलिस की सक्रियता का परिणाम यह रहा कि विशेष टीम ने करीब तीन घंटे के भीतर दोनों बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया। दोनों बच्चों को उनके माता-पिता को सुरक्षित सौंप दिया।

ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार मजदूर की मौत

लंच के लिए घर जाते समय हुआ हादसा, चालक की तलाश जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के अचलगंज थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक सड़क हादसे में साइकिल सवार मजदूर की मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर एंबुलेंस उसे जिला अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 45 वर्षीय छेदी लाल के रूप में हुई है। वह मूल रूप से अचलगंज थाना क्षेत्र के बंथर में देशराज के मकान में किराए पर रहता था और नरी के आगे स्थित मॉडल कंपनी में कार्यरत था। जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर करीब दो बजे छेदी लाल कंपनी से लंच करने के लिए

साइकिल से अपने कमरे की ओर जा रहा था। पहाड़पुर गहरा गांव के पास पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस घायल छेदी लाल को जिला अस्पताल लेकर पहुंची, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर अचलगंज थाना पुलिस भी जिला अस्पताल पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना करने वाले ट्रक और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है। मामले की जांच सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्ष-दर्शियों के आधार पर की जा रही है। थानाध्यक्ष सुब्रत नारायण ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि गहरा के आसपास सड़क पर भारी वाहनों का दबाव अधिक रहता है, जिससे अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोगों ने क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और तेज रफ्तार वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की है।

सम्पादकीय

त्यागपत्र से उठे सवाल

आखिरकार शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को त्यागपत्र देना पड़ा। यह त्यागपत्र यह भी ध्वनित कर रहा है कि सरकार काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के बैनर तले जंतर-मंतर पर प्रदर्शनरत छात्रों के दबाव में आ गई। लोकतंत्र में जनमत और विशेष रूप से छात्रों की इच्छा का पालन करने में कोई बुराई नहीं। यह ध्यान रहे कि नीट पेपर लीक से लाखों छात्र प्रभावित हुए थे और उनके साथ अन्य अनेक लोग भी आक्रोशित थे। यह आक्रोश सहज था और सरकार को इसकी चिंता भी करनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा करते हुए उसे यह संदेश भी नहीं देना चाहिए था कि जंतर-मंतर पर छात्रों के बीच घुसे अराजक तत्वों की हिंसा से बचने के लिए उसने शिक्षा मंत्री से त्यागपत्र लेना आवश्यक समझा। ध्यान रहे धर्मेंद्र प्रधान ने यह कहा कि जंतर-मंतर पर पैदा हुई स्थिति का लाभ राष्ट्रविरोधी ताकतें न उठा लें, इसलिए वे इस्तीफा सौंप रहे हैं। वैसे यदि शिक्षा मंत्री को त्यागपत्र देना ही था तो नीट पेपर लीक के बाद ही क्यों नहीं दिया? इसकी तो मांग भी हुई थी। इसी तरह सरकार ने सीजेपी के धरने और खासकर उसके संसद मार्च के दौरान हिंसा के बाद पेपर लीक के दोषियों को दंडित करने और परीक्षाओं में सेंध लगने की समस्या से निपटने के लिए जो अनेक कदम उठाए, वे पहले क्यों नहीं उठाए जा सके? यदि ऐसा किया गया होता तो शायद सीजेपी के धरना देने की नौबत ही नहीं आती। यह स्वाभाविक है कि शिक्षा मंत्री के त्यागपत्र का श्रेय लेने के लिए विपक्ष आगे आ गया है, लेकिन सच यह है कि इस इस्तीफे के साथ ही सीजेपी के सौजन्य से उसके हाथ आया मुद्दा केवल फिसल ही नहीं गया, बल्कि उसके सामने यह प्रश्न भी खड़ा हो गया है कि वह अपने शासित राज्यों और खासकर कर्नाटक, पंजाब आदि में पेपर लीक के मामलों में वहां के शिक्षा मंत्रियों से त्यागपत्र देने की मांग कब करेगा? क्या ऐसी कोई मांग सीजेपी भी करेगी? ऐसे प्रश्नों के बीच यह समझा जाए कि त्यागपत्र राजनीतिक जवाबदेही की पूर्ति के साथ लोगों के गुस्से को शांत भले कर दें, लेकिन वे समस्या का समाधान नहीं करते। पेपर लीक समस्या का समाधान तब तक नहीं हो सकता, जब तक शिक्षा और परीक्षा की पूरी व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन नहीं किए जाते। ऐसे परिवर्तन अभी भी वांछित हैं। देखना है कि धर्मेंद्र प्रधान की जगह लेने वाले नए शिक्षा मंत्री शिक्षा और परीक्षा में अपेक्षित सुधार कर पाते हैं या नहीं? धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र के साथ ही सरकार जिस तरह सीजेपी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के लिए जिम्मेदार तत्वों के खिलाफ दर्ज एफआइआर वापस लेने पर सहमत हुई, उससे यह सवाल भी उठ खड़ा हुआ है कि क्या उत्पात मचाने वाले अराजक तत्वों को भी बख्श दिया जाएगा?

कॉकरोच आंदोलन - डिजिटल युग में जनमत का नया स्वरूप

> “ डिजिटल तकनीक और इंटरनेट ने जनसंपर्क के इस पारंपरिक स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। अब किसी एक ज्वलंत मुद्दे पर देशभर के लोग बिना किसी केंद्रीय नेतृत्व या औपचारिक संगठन के एक-दूसरे से सीधे जुड़ सकते हैं।

'कॉकरोच जनता पार्टी' के बैनर तले युवाओं के अभूतपूर्व और स्वतःस्फूर्त आंदोलन की असाधारण सफलता ने देश के राजनीतिक गलियारों को हिलाकर रख दिया है। किसी स्थापित राजनीतिक झंडे, जाने-पहचाने चेहरे या पारंपरिक सांगठनिक ढांचे के बिना केवल डिजिटल मंचों से उपजे इस जन-आक्रोश के आगे अंततः सरकार को घुटने टेकने और झुकने पर मजबूर होना पड़ा। यह अभूतपूर्व सफलता इस बात की स्पष्ट और गंभीर मुनादी है कि भारतीय राजनीति अब एक बिल्कुल नए और निर्णायक दौर में प्रवेश कर चुकी है। वह दौर, जहाँ सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग अब जन-आकांक्षाओं को अपनी शर्तों पर नियंत्रित करने, दबाने या टालने का दावा नहीं कर सकते।

इक्कीसवीं सदी में सूचना महाक्रांति ने जनमत निर्माण और राजनीतिक भागीदारी के पूरे पारंपरिक स्वरूप को बुनियादी रूप से बदल कर रख दिया है। चुनावी सफलता, मजबूत सांगठनिक ढांचा, अनुशासित कार्यकर्ता तंत्र और संसाधनों के बावजूद अब कोई भी राजनीतिक दल जनभावनाओं को पूरी तरह नियंत्रित करने में सक्षम नहीं है। इस स्वतःस्फूर्त युवा आंदोलन ने यह साफ कर दिया है कि बिना किसी स्थापित कमान या औपचारिक संगठन के भी लाखों लोग एक साझा मुद्दे पर रातों-रात एकजुट होकर सत्ता को जवाबदेह बना सकते हैं। सोशल मीडिया ने हर नागरिक को जनमत का एक सक्रिय वाहक और निर्माता बना दिया है। यह बदलता परिदृश्य सभी राजनीतिक दलों के लिए स्पष्ट संकेत है कि आने वाले समय की राजनीति केवल नारों और प्रबंधन से नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, पारदर्शिता और त्वरित संवेदनशीलता पर ही टिकी होगी। भारत में आंदोलनों का एक बेहद समृद्ध और जीवंत इतिहास रहा है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर 1970 के दशक का ऐतिहासिक जेपी आंदोलन, मंडल आयोग विरोधी प्रदर्शन, राम मंदिर आंदोलन, अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी अभियान और हाल का किसान आंदोलन—इन सभी बड़े जन-उभारों में एक बात समान थी। इनका एक स्पष्ट, दृश्यमान और स्थापित नेतृत्व हुआ करता था। उनके पास एक औपचारिक संगठन या संयुक्त मोर्चा होता था और सरकारें भी प्रतिनिधियों के माध्यम से बातचीत करती थीं। परंतु आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। ऐसे आंदोलनों की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि इन्हें किसी एक राजनीतिक दल का 'प्रायोजित आंदोलन' कहकर खारिज करना या किसी एक प्रमुख नेता को निशाना बनाकर उसकी धार कुंद करना अब सत्ता के लिए आसान नहीं रह गया है। हाल ही में हुए इस व्यापक विरोध प्रदर्शन को केवल किसी एक परीक्षा के रद्द होने, भर्ती प्रक्रिया की धांधली या किसी तात्कालिक निर्णय तक सीमित करके देखना बड़ी राजनीतिक भूल होगी। इन स्वतःस्फूर्त प्रदर्शनों के पीछे युवा पीढ़ी की वे गहरी चिंताएं हैं, जो लंबे समय से सतह के नीचे उबल रही थीं। रोजगार के लगातार सिमटते अवसर, प्रतियोगी परीक्षाओं में बार-बार सामने आने वाली अनियमितताएं, सरकारी नियुक्तियों में अंतहीन विलंब, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और अपने भविष्य को लेकर गहराती असुरक्षा की भावना—इन सबने मिलकर असंतोष का एक बड़ा गुबार पैदा किया है।

भारत वर्तमान में दुनिया के सबसे युवा देशों में माना जाता है। यह विशाल युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। लेकिन यदि युवाओं की बढ़ती आकांक्षाओं और उन्हें मिलने वाले वास्तविक अवसरों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होगी, तो उसका सीधा असर देश की राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता पर पड़ना स्वाभाविक है। आज का जागरूक युवा अब केवल राजनेताओं के भाषणों या राजनीतिक आश्वासनों से संतुष्ट होने वाला नहीं है। वह वर्तमान में ठोस अवसर, परीक्षा प्रणाली में शत-प्रतिशत पारदर्शिता और त्वरित परिणाम चाहता है। सत्तारूढ़ दल की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल संगठन, बूथ स्तर तक फैले कार्यकर्ता और अचूक माना जाने वाला चुनावी प्रबंधन है। लेकिन जब जन-विरोध किसी स्थापित विपक्षी दल के बजाय समाज के भीतर से स्वतःस्फूर्त ढंग से उभरता है, तब चुनौती का स्वरूप बदल जाता है। ऐसे आंदोलनों में विरोध का कोई एक चेहरा नहीं होता, जिससे बंद कमरों में वार्ता की जा सके। इसलिए इन्हें केवल 'विपक्ष की साज़िश' बताकर खारिज करना सरकार के लिए राजनीतिक रूप से घाटे का सौदा साबित होता है। ऐसी स्थितियों में सरकार के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ जनता का विश्वास बनाए रखने की कठिन परीक्षा होती है। लोकतंत्र में जनविश्वास ही किसी भी चुनी हुई सरकार की सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी होता है। दूसरी तरफ, ऐसे नेता-विहीन आंदोलन विपक्षी दलों को राजनीतिक अवसर तो अवश्य प्रदान करते हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि विपक्ष स्वतः ही उनका स्वाभाविक नेतृत्व हासिल कर लेता है। यदि विपक्षी दल इन जनांदोलनों के साथ संवेदनशीलता से खड़े दिखाई देते हैं, तो उन्हें अप्रत्यक्ष राजनीतिक लाभ मिल सकता है परंतु यदि वे इन आंदोलनों को पूरी तरह हथियाने या अपने चुनाव प्रचार में बदलने की कोशिश करते हैं, तो इससे आंदोलन की अपनी निष्पक्षता और आम जनता में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। यानी यह नया परिदृश्य सत्तापक्ष और प्रतिपक्ष—दोनों से ही अधिक परिपक्वता और संवेदनशीलता की मांग करता है।सूचना महाक्रांति ने मुख्यधारा के मीडिया के एकाधिकार को भी समाप्त कर दिया है। अतीत में सूचनाओं के प्रवाह पर जिन माध्यमों का नियंत्रण था, उन पर समय-समय पर राजनीतिक या व्यावसायिक दबावों के आरोप लगते रहे हैं। आज स्मार्टफोन हाथ में लिए खड़ा लगभग हर नागरिक एक संभावित 'सिटिजन रिपोर्टर' है। कहीं भी घटित होने वाली घटना या प्रशासनिक लापरवाही का दृश्य कुछ ही पलों में दुनिया के सामने आ जाता है। यही कारण है कि अब किसी घटना को दबा देना या केवल एकतरफा कहानी को स्थापित कर पाना बेहद कठिन हो गया है। हालांकि, इसका दूसरा पहलू यह भी है कि यही मंच कभी-कभी अपुष्ट सूचनाओं और अफ़वाहों का जरिया भी बन जाता है, जिससे निपटना समाज और प्रशासन दोनों के लिए एक चुनौती है। भारतीय राजनीति दशकों तक मुख्य रूप से जाति, धर्म, क्षेत्रीयता और अस्मिता पर आधारित मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। इन विषयों का महत्व पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन अब रोजगार, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली, प्रशासनिक जवाबदेही और अवसरों की समानता जैसे मुद्दे तेजी से राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आ रहे हैं। विशेषकर युवा मतदाता अब राजनीतिक दलों का मूल्यांकन केवल नारों से नहीं, बल्कि उनके वर्तमान प्रदर्शन और कार्यशैली के आधार पर कर रहा है। किसी भी जीवंत लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि उसकी चेतना का प्रमाण होते हैं।

- जयसिंह रावत

किताबों की ओर

कहा जाता है जीवन में आगे बढ़ने के लिए ज्ञान का एक सही महत्वपूर्ण साधन सद्साहित्य पठन है । संत प्रवचन, सद्साहित्य पठन, आदि में बराबर सुनते हैं,पढ़ते हैं, कि जहं- जहां तक ध्यान जाता हैं वैसे ही भावों का निर्माण होता है । हमारे अगर बातचीत में नकारात्मक शब्दों का प्रयोग होगा तो हमारे अन्दर उन्हीं भावों का संयोग निर्मित हो जाएगा। यथा हम अगर कहेंगे मैं झगड़ा नहीं करना चाहता , ऐसा बोलना ही झगड़े पर ध्यान जाना है और हमारे अंदर उन्हीं परमाणुओं का सर्जन होना हैं । अतः इसे दूसरी तरह से कहें कि मैं शांति चाहता हूं वह तब शांति के परमाणुओं का निर्माण होगा और हमारा अंतश शांति के परमाणुओं का संज्ञान लेगा । ब्रह्मांड प्रकंपनों पर काम करता है । हमारे विचारों पर प्रकंपन बनते हैं । अतः हम सदा सकारात्मक शब्दों का ही प्रयोग करें ताकि सकारात्मक प्रकंपनों का संयोग हो। एक और उदाहरण मत कहिए मैं बीमार होना नहीं चाहता । वह कहिए मैं स्वस्थ रहना चाहता हूं । मत कहिए मैं असफल होना नहीं चाहता । वह कहिए मैं सफल होना चाहता हूं आदि-आदि। हम यह सब जानते तो हैं पर बातचीत करते वक्त ध्यान नहीं देते हैं, प्रायः भूले ही रहते हैं । अतः हम अब मन ही मन दृढ़ संकल्प कर लें कि मैं सदा सकारात्मक शब्द बोलूंगा अन्यथा मौन निशब्द रह जाऊंगा। हम अपने अतीत के गलियारों में झांके तो हमको याद आयेंगे हमारे बचपन के वह दिन जब स्कूली किताबों से ज्यादा कहनियां एवं अन्य साहित्य में अतिरिक्त रुचि हुआ करती थी । चाहे मौसम परीक्षा का हों या छूटिट्यों का नन्दन, चंपक, पराग, अमर चित्र कथा, ट्विंकल आदि- आदि हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हुआ करते थे । वह साथ - साथ में जैन विधा आदि का भी क्रम चलता रहा । वह जैसे - जैसे हमारी उम्र बढ़ती गईं, किताबें भी बदलती चली गईं । वह बाल- किताबों के स्थान पर सरिता, मुक्ता, सुमन सौरभ, इंडिया टुडे, रीडर्स डाइजेस्ट आदि - आदि आ गए। वह धर्म का लेखन , सिखना , 51 थोकडें कंठस्थ करना आदि भी क्रम रहा । वह तरुणावस्था के साथ फिर आगे हमारे जीवन में किताबों ने मोड़ लिया और अलमारी भरने लगी उत्तराध्ययन सूत्र, आगम, भिक्षु विचार दर्शन , भगवान् महावीर , आचार्य श्री तुलसी और आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी के साहित्य आदि - आदि की पुस्तकों से ।

› प्रदीप छाजेड़

पर्यावरण विज्ञान...

अंजली, शोधार्थी पर्यावरण विज्ञान विभाग

पर्यावरण विज्ञान: केवल प्रकृति का अध्ययन नहीं, भविष्य के रोजगार का बढ़ता हुआ क्षेत्र

आज के समय में जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जल संकट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है, तब पर्यावरण विज्ञान का महत्व लगातार बढ़ रहा है। इसके बावजूद आज भी बहुत से विद्यार्थी और अभिभावक इस विषय को केवल पेड़-पौधों और पर्यावरण संरक्षण तक सीमित समझते हैं। वास्तव में, पर्यावरण विज्ञान एक व्यापक, बहुविषयक और तेजी से विकसित होता हुआ क्षेत्र है, जिसमें रोजगार और करियर की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

पर्यावरण विज्ञान का संबंध वायु, जल, मृदा, वन, वन्यजीव, जलवायु, प्रदूषण, प्राकृतिक संसाधनों, ऊर्जा, मानव स्वास्थ्य और सतत विकास जैसे अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्रों से है। यही कारण है कि आज सरकारी विभागों, शोध संस्थानों, उद्योगों, पर्यावरणीय सलाहकार कंपनियों और गैर-सरकारी संगठनों में पर्यावरण विज्ञान के विशेषज्ञों की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है।

पर्यावरण विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में अनेक अवसर उपलब्ध हैं। विद्यार्थी एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट, एनवायरनमेंटल ऑफिसर, एनवायरनमेंटल कंसल्टेंट, एनवायरनमेंटल एनालिस्ट, ईएचएस ऑफिसर, सस्टेनेबिलिटी प्रोफेशनल, एनवायरनमेंटल ऑडिटर और रिसर्चर जैसे पदों पर कार्य कर सकते हैं।

सरकारी क्षेत्र में केंद्रीय एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण विभाग, वन विभाग, जल संसाधन विभाग, केंद्रीय भूजल बोर्ड, भारतीय वन सर्वेक्षण, वन्यजीव संरक्षण से जुड़े संस्थानों तथा विभिन्न सरकारी शोध संस्थानों में पर्यावरण विज्ञान के विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है।

इसके अतिरिक्त, यूपीएससी, स्टेट पीएससी, यूजीसी-नेट, गेट तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से भी विद्यार्थी सरकारी सेवाओं, शिक्षण और शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। आज प्रत्येक बड़े उद्योग को पर्यावरणीय नियमों का पालन करना आवश्यक है। चीनी, सीमेंट, कागज, वस्त्र, रासायनिक, औषधि, ऊर्जा, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरणीय मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित पर्यावरण विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है।

एनवायरनमेंटल इंपैक्ट असेसमेंट (ईआईए), एनवायरनमेंटल मॉनिटरिंग, पॉल्यूशन कंट्रोल, वेस्ट मैनेजमेंट, एनवायरनमेंटल कंप्लायंस, सस्टेनेबिलिटी और ईएसजी जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर तेजी से विकसित हो रहे हैं।

पर्यावरण विज्ञान का दायरा लगातार विस्तृत हो रहा है। आज विद्यार्थी जीआईएस और रिमोट सेंसिंग, क्लाइमेट चेंज, कार्बन फुटप्रिंट असेसमेंट, रिन्यूएबल एनर्जी, सस्टेनेबल डेवलपमेंट, सर्कुलर इकोनॉमी, ग्रीन बिल्डिंग, एनवायरनमेंटल डेटा एनालिसिस और एनवायरनमेंटल हेल्थ जैसे आधुनिक क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

इसलिए यह विषय उन विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जिनकी रुचि विज्ञान, प्रकृति, शोध, तकनीक और समाज से जुड़े मुद्दों में है।

पर्यावरण विज्ञान में विद्यार्थी बी.एससी., एम.एससी. और पीएच.डी. स्तर तक शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। देश के अनेक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में बी.एससी. एवं एम.एससी. एनवायरनमेंटल साइंस के पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध बरेली कॉलेज, बरेली में भी पर्यावरण विज्ञान विभाग विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा और शोध का अवसर प्रदान कर रहा है। यहां विद्यार्थी बी.एससी. एनवायरनमेंटल साइंस, एम.एससी. एनवायरनमेंटल साइंस तथा पीएच.डी. इन एनवायरनमेंटल साइंस के माध्यम से इस क्षेत्र में अपना शैक्षणिक और शोध करियर बना सकते हैं। विभाग में विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रयोगशाला कार्य, क्षेत्रीय अध्ययन, औद्योगिक भ्रमण, पर्यावरणीय सर्वेक्षण और शोध गतिविधियों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त दिल्ली विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, जैसे संस्थानों में पर्यावरण विज्ञान की शिक्षा और शोध के अवसर उपलब्ध हैं।

यह दर्शाता है कि पर्यावरण विज्ञान आज एक उभरता हुआ और व्यापक अवसरों वाला विषय है, जिसमें उच्च शिक्षा, अनुसंधान, सरकारी सेवाओं, उद्योगों, पर्यावरण परामर्श तथा विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

पर्यावरण विज्ञान केवल एक डिग्री नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं से जुड़ा हुआ एक महत्वपूर्ण करियर क्षेत्र है। आने वाले समय में पर्यावरणीय समस्याओं के बढ़ने के साथ-साथ इस क्षेत्र में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की मांग भी बढ़ेगी।

इसलिए विद्यार्थियों को यह समझने की आवश्यकता है कि पर्यावरण विज्ञान में करियर के अवसर सीमित नहीं, बल्कि व्यापक और लगातार बढ़ते हुए हैं। जो विद्यार्थी विज्ञान के साथ-साथ प्रकृति, तकनीक, शोध और समाज के लिए काम करना चाहते हैं, उनके लिए पर्यावरण विज्ञान एक बेहतरीन करियर विकल्प बन सकता है। आज के समय में जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जल संकट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है, तब पर्यावरण विज्ञान का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

रवि कुमार का...

डॉ0 सीमा गुप्ता

कानपुर देहात में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से रंग लाई स्वरोजगार की पहल

प्रदेश सरकार के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शी नीतियों के परिणामस्वरूप सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को नई पहचान मिल रही है। केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित 'प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना' (पीएमएफएमई) ग्रामीण उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जनपद कानपुर देहात में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से लाभ मिल रहा है।

उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को नई ऊर्जा देने और स्वरोजगार के अवसरों को गति प्रदान करने में यह योजना एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही है। केंद्र प्रायोजित इस योजना के सफल क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश ने पूरे देश में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया है। प्रदेश में योजना के तहत प्राप्त ऋण आवेदनों के निस्तारण/वितरण में ''99 प्रतिशत'' की अभूतपूर्व सफलता दर दर्ज की गई है, जो प्रशासनिक दक्षता और सूक्ष्म उद्यमों को धरातल पर मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इसी सफलता का एक जीवंत उदाहरण जनपद कानपुर देहात के ग्राम बादशाहपुर नौहुआ नौगांव निवासी श्री रवि कुमार हैं, जिन्होंने इस योजना के माध्यम से अपने पारंपरिक डेयरी व्यवसाय को आधुनिक उद्योग का स्वरूप दिया है। रवि कुमार लगभग 18 वर्षों से दूध एवं दुग्ध-उत्पाद निर्माण के कार्य से जुड़े हैं। वर्ष 2007 में उन्होंने अपने बड़े भाई के साथ व्यवसाय की शुरुआत की तथा वर्ष 2016 से स्वयं का उद्यम संचालित करने लगे। सीमित संसाधनों के साथ साधारण भट्ठी और कढ़ाही पर खोया तैयार कर कानपुर की हटिया मंडी में बेचने से शुरू हुआ यह सफर आज आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई तक पहुंच चुका है।

रवि कुमार का जीवन संघर्षों से भरा रहा। पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण उन्हें हाईस्कूल की शिक्षा के बाद ही आजीविका के लिए दुग्ध व्यवसाय से जुड़ना पड़ा। योजना के अंतर्गत रवि कुमार को बैंक से ऋण के रूप में बड़ी वित्तीय सहायक प्राप्त हुई। इस वित्तीय सहायता से उन्होंने राजस्थान से आधुनिक बॉयलर एवं स्टीम जैकेट युक्त कढ़ाही मंगवाकर अपने प्रतिष्ठान में स्थापित की, जिससे उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आज उनकी इकाई में प्रतिदिन लगभग चार क्विंटल (कुंतल) दूध का प्रसंस्करण कर एक क्विंटल खोया तैयार किया जाता है, जिसकी आपूर्ति कानपुर की हटिया मंडी सहित आसपास के बाजारों में की जाती है। त्योहारों के समय उत्पादन बढ़ाकर लगभग 150 किलोग्राम प्रतिदिन तक कर दिया जाता है। नई तकनीक अपनाने से उत्पादन लागत में भी भारी कमी आई है। पहले प्रति क्विंटल दूध पर लगभग 100 किलोग्राम लकड़ी की आवश्यकता होती थी, जो अब घटकर 50 किलोग्राम रह गई है। इसके साथ ही, जहाँ पहले तीन श्रमिकों की आवश्यकता होती थी, वहीं अब एक सहायक के सहयोग से ही कार्य सुचारु रूप से संचालित हो रहा है।

जरा हटके

इन वृक्षों से न केवल...

रवि यादव

कपि वन मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व की दिशा में उत्तर प्रदेश की अभिनव पहल

उत्तर प्रदेश में बढ़ती शहरी आबादी, तेजी से हो रहे नगरीकरण और प्राकृतिक आवासों में निरंतर कमी के कारण बंदरों तथा मनुष्यों के बीच संघर्ष की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। शहरों और कस्बों में बंदरों की बढ़ती संख्या से जहां आमजन को जान-माल की हानि, दुर्घटनाओं और दैनिक जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, वहीं दूसरी ओर बंदर भी अपने प्राकृतिक आवास और भोजन के अभाव में आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आने के लिए विवश हो जाते हैं। यह स्थिति केवल सामाजिक चुनौती ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और वन्यजीव संरक्षण के दृष्टिकोण से भी गंभीर विषय है। इसी चुनौती का स्थायी और प्रकृति आधारित समाधान खोजने के उद्देश्य से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने ‘एक पेड़ मां के नाम’ वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत ‘कपि वन’ की अभिनव अवधारणा को साकार किया है। यह पहल केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव और वन्यजीवों के बीच सामंजस्य स्थापित करने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा बंदरों को उनके प्राकृतिक परिवेश में भोजन और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बीते कुछ वर्षों में प्रदेश के अनेक नगरों और कस्बों में बंदरों की संख्या में वृद्धि हुई है। भोजन और सुरक्षित आवास की तलाश में बंदर आबादी वाले क्षेत्रों, बाजारों, मंदिरों, विद्यालयों तथा आवासीय कॉलोनियों में पहुंच जाते हैं। इससे लोगों पर हमले, खाद्य सामग्री की क्षति, फसलों का नुकसान तथा सड़क दुर्घटनाओं जैसी घटनाएं सामने आती हैं। कई बार बंदरों के काटने अथवा घायल करने की घटनाओं से जनसामान्य में भय और आक्रोश भी उत्पन्न होता है। दूसरी ओर, यह भी सत्य है कि बंदर स्वभावतः वन्यजीव हैं और उनका प्राकृतिक निवास स्थान जंगल हैं। वनों के सिकुड़ने, फलदार वृक्षों की कमी तथा प्राकृतिक संसाधनों के घटने के कारण वे मानव बस्तियों की ओर आकर्षित होते हैं। इसलिए समस्या का समाधान केवल उन्हें आबादी से हटाने में नहीं, बल्कि उनके लिए ऐसा प्राकृतिक वातावरण विकसित करने में है, जहां उन्हें पर्याप्त भोजन और सुरक्षित आवास उपलब्ध हो सके। बंदरों के प्राकृतिक आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार ने 21 जुलाई 2026 को आयोजित वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक नगर निकाय नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायत के बाहरी क्षेत्रों में कपि वन स्थापित करने का निर्णय लिया। इस योजना का उद्देश्य बंदरों को आबादी वाले क्षेत्रों से दूर प्राकृतिक वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे भोजन की तलाश में शहरों और गांवों में प्रवेश न करें। कपि वन ऐसे हरित क्षेत्र हैं, जहां बंदरों के लिए पूरे वर्ष प्राकृतिक रूप से भोजन उपलब्ध रहे तथा उन्हें सुरक्षित आवास भी प्राप्त हो। प्रदेश में कपि वन की स्थापना के लिए ऐसी भूमि का चयन किया गया, जो अवनत अथवा कम उपयोग में आने वाली थी। इससे एक ओर अनुपयोगी भूमि का पर्यावरणीय दृष्टि से सदुपयोग हुआ, वहीं दूसरी ओर नए हरित क्षेत्र विकसित करने का अवसर मिला। इस पहल से बंजर एवं अवनत भूमि को भी पर्यावरण संरक्षण की मुख्यधारा से जोड़ा गया। कपि वन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें लगाए गए पौधों का चयन वैज्ञानिक आधार पर किया गया है। ऐसे फलदार वृक्ष लगाए जा रहे हैं जिनमें अलग-अलग मौसम में फल आते हैं, ताकि बंदरों को वर्षभर प्राकृतिक भोजन उपलब्ध होता रहे। कपि वन में मुख्य रूप से बड़हल, आम, जामुन, अमरूद, बेल, गूलर, कटहल, बेर, शहतूत, पीपल और अंजीर जैसी प्रजातियों का रोपण किया गया है। इन वृक्षों से न केवल बंदरों को भोजन मिलेगा, बल्कि अनेक पक्षियों, गिलहरियों और अन्य वन्यजीवों के लिए भी प्राकृतिक आवास और खाद्य स्रोत विकसित होंगे। फलदार वृक्षों की यह श्रृंखला जैव विविधता को बढ़ाने, परागण करने वाले जीवों के संरक्षण तथा स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रदेश में 21 जुलाई 2026 को आयोजित वृक्षारोपण महायज्ञ के अंतर्गत कपि वन स्थापना का अभियान पूरे प्रदेश में एक साथ संचालित किया गया। प्रत्येक नगर निकाय के बाहरी क्षेत्र में न्यूनतम एक हेक्टेयर भूमि पर कपि वन विकसित किया गया। इस अभियान के दौरान प्रदेशभर में 21,755.59 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 2,43,049 फलदार पौधों का रोपण किया गया। प्रदेश द्वारा स्थापित किए जा रहे कपि वन केवल एक प्रतीकात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर लागू की गई पर्यावरणीय एवं वन्यजीव संरक्षण की योजना है। कपि वन की स्थापना में नगर विकास विभाग तथा आवास विकास विभाग ने व्यापक सहयोग एवं सहभागिता निभाई। नगर निकायों द्वारा उपयुक्त भूमि का चयन, पौधरोपण स्थलों का विकास, स्थानीय स्तर पर समन्वय तथा पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में इन विभागों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। विभिन्न नगर निगमों, नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों ने स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप भूमि चिन्हित कर पौधरोपण कराया। आवास विकास विभाग ने भी अपने नियंत्रणाधीन क्षेत्रों में कपि वन विकसित करने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

बारिश से नदियां उफान पर, मेडिकल कॉलेज में घुसा पानी, 25 शहरों में अलर्ट

यूपी में स्कूल नदी में समाया, 100 बीघा फसल बर्बाद

उफान

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, मेरठ। पहाड़ों पर भारी बारिश से यूपी में नदियां उफान पर हैं। गंगा, यमुना समेत 10 नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इनमें घाघरा-शारदा समेत 4 नदियां खतरे के निशान को पार कर चुकी हैं। बलिया में एक सरकारी स्कूल और मकान सरयू नदी में समा गया। गोंडा में 100 बीघा से ज्यादा फसल घाघरा के पानी में डूब गई। लोग नदी किनारे बने अपने कच्चे मकानों को तोड़कर बांस-बल्लियां, ईंट समेट रहे हैं।

सरयू और घाघरा में उफान की वजह से सीतापुर, पीलीभीत, लखीमपुर और बहराइच के गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। पानी के साथ बहकर आ रहे मगरमच्छ लोगों के घरों में घुस रहे हैं। आज यानी रविवार को नोएडा और बिजनौर बारिश हुई। लखनऊ में शाम को तेज बारिश हुई। बाराबंकी, आगरा समेत ज्यादातर शहरों में मौसम साफ है। मौसम विभाग (IMD) ने 25 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। वाराणसी-प्रयागराज समेत 8 जिलों में बिजली गिरने की आशंका है। इससे पहले, शनिवार को वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, मेरठ समेत 36 शहरों में बारिश हुई। फर्रुखाबाद में सबसे ज्यादा 13.8 मिमी. बारिश हुई। कानपुर में गलियां तालाब बन गईं। मेरठ में मेडिकल कॉजेल में पानी भर गया। OPD के गेट पर घुटनों तक पानी में मरीज चलते दिखाई दिए।

बलिया में सरयू नदी उफान पर हैं। किनारों पर कटान से एक मकान नदी में समा गया।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- हवाओं के राजस्थान और मध्य भारत की तरफ खिसकने से यूपी में बारिश की गतिविधियां थम गई थीं। अब बंगाल की खाड़ी और बांग्लादेश के पास हवा के कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है। इसके असर से मानसूनी हवाएं यूपी की तरफ लौटेंगी। आज मानसून की सुस्ती बनी रहेगी। सीमित इलाकों में हल्की बारिश होगी। 27 जुलाई से बारिश का दायरा बढ़ेगा। मानसूनी गतिविधियां तेज हो जाएंगी।

कैबिनेट मंत्री ने सुनीं पीएम मोदी की मन की बात

मथुरा में बोले-धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा के क्षेत्र में काफी काम किए हैं

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 136वें 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनने के लिए उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह रविवार को मथुरा पहुंचे। वृंदावन मंडल के विद्यापीठ शक्ति केंद्र पर उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम सुना। करीब आधे घंटे तक मौजूद रहने के बाद उन्होंने कहा कि 'मन की बात' अब केवल किसी राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन आंदोलन का रूप ले चुका है। वृंदावन पहुंचने पर महानगर अध्यक्ष हरीशंकर यादव 'राजू', महामंत्री विनीत शर्मा और वृंदावन मंडल अध्यक्ष जितेंद्र वार्ष्णेय 'रोनू' ने जल शक्ति मंत्री का पटका और माला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम का प्रसारण सुना। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले कारगिल विजय दिवस का उल्लेख करते हुए देश के वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने विज्ञान ओलंपियाड में भारतीय छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की भी सराहना करते हुए कहा कि देश के युवा लगातार दुनिया में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। कार्यक्रम के बाद स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि 'मन की बात' दुनिया के सबसे लोकप्रिय कार्यक्रमों में शामिल है। इसके माध्यम से ऐसे लोगों की प्रेरक कहानियां सामने आती हैं, जिनकी प्रतिभा, ईमानदारी और समाज के लिए किए गए कार्यों पर सामान्यतः ध्यान नहीं जाता। उन्होंने कहा कि खादी, पारंपरिक शिल्प, संगीत और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों का उल्लेख होने से उन्हें नई पहचान मिलती है और उनके काम को भी बढ़ावा मिलता है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से जुड़े सवाल पर स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का हर निर्णय राष्ट्रहित और गरीबों के कल्याण को ध्यान में रखकर लिया जाता है।

फास्ट न्यूज

25 हजार का इनामी गैंगेस्टर गिरफ्तार

हरदोई। हरदोई पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट के एक मामले में आरोपी 25,000 रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार शाम 5:51 बजे एक प्रेस नोट जारी कर इसकी आधिकारिक जानकारी दी। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, यह मामला 04 जुलाई 2026 का है। उस समय हरदोई में आर्थिक और भौतिक लाभ के लिए समाज विरोधी तथा आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई थी।

यूपी में रंगदारी मांगने वाला शार्प शूटर एनकाउंटर में ढेर

शामली। मेरठ STF (स्पेशल टास्क फोर्स) और बागपत की पुलिस ने शनिवार को शार्प शूटर विपुल उर्फ खूनी को मुठभेड़ में मार गिराया। वह हत्या और रंगदारी के केस में फरार चल रहा था। यह मुठभेड़ शाम 6 बजे सिंघावली अहीर इलाके में हुई। पुलिस और विपुल के बीच करीब 12 राउंड फायरिंग हुई। इसी दौरान उसे चार गोलियां लगी और गिर पड़ा। तत्काल उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, शूटर विपुल ने 12 साल पहले पवन नाम के व्यक्ति की हत्या कर दी थी। इस समय वह जमानत पर था।

रील देखने से रोका तो पत्नी ने जान दी

चंदौली। यूपी के चंदौली में रील देखने से मना करने पर पत्नी ने जान दे दी। शनिवार रात करीब 12 बजे पति ने उसका शव बेडरूम में फंदे के सहारे लटका हुआ देखा। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी। पति ने उसे इंस्टाग्राम चलाने से मना किया था। पति ने पुलिस से रोते हुए बताया कि पत्नी की इंस्टाग्राम की आदत ने मेरा परिवार उजाड़ दिया। अब 11 महीने का इकलौता बेटा मैं अकेले कैसे पालूंगा।

आजाद समाज पार्टी के संयोजकों को नोटिस

अलग ज्ञापन देने पर मांगा स्पष्टीकरण

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की जिला इकाई में आंतरिक गुटबाजी सामने आई है। 25 जुलाई को जिला मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन के दौरान पार्टी लाइन से हटकर ज्ञापन देने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस पर भाईचारा कमेटी के संयोजकों को नोटिस जारी किया गया है, जिसका जवाब भी सामने आ गया है। पार्टी के मुख्य मंडल प्रभारी (अयोध्या) मनोज चौधरी ने भाईचारा कमेटी के मंडल संयोजक सरताज खान और जिला संयोजक आदिल खान को 24 घंटे के भीतर लिखित स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। नोटिस में कहा गया है कि धरना-प्रदर्शन के दौरान पार्टी से अलग ज्ञापन दिया गया, जिसे अनुशासनहीनता मानते हुए कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। नोटिस के जवाब में मंडल संयोजक सरताज खान ने मुख्य मंडल प्रभारी को पत्र भेजकर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने जिलाध्यक्ष और मेन बॉडी के रवैये पर गंभीर आरोप लगाए। सरताज खान ने बताया कि 25 जुलाई की सुबह ही जिला संयोजक आदिल खान को पुलिस प्रशासन ने हाउस अरेस्ट कर लिया था, जिसके बाद उन्हें प्रदर्शन में शामिल होना पड़ा।

सांसद रमेश अवस्थी नितिन गडकरी से मिले

बोले- लखनऊ-कानपुर और गंगा एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी शहर से जोड़ी जाए

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से दिल्ली में मुलाकात कर शहर की प्रमुख सड़क परियोजनाओं और एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी का मुद्दा उठाया। उन्होंने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, रामादेवी से गोल चौराहा एलिवेटेड रोड और कानपुर-कबरई ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के कार्यों में तेजी लाने की मांग की। सांसद के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि उन्नाव में जहां एक्सप्रेसवे समाप्त होता है, वहां से कानपुर तक सीधा संपर्क मार्ग बनाया जाए। जरूरत पड़ने पर गंगा नदी पर नया पुल या एलिवेटेड रोड बनाकर शहर को एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाए। सांसद ने कहा अनुमान है कि लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे को लेकर डीपीआर का काम 2 महीनें में पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद इसके आगे की योजना पर तेजी से काम किया जायेगा। सांसद ने कानपुर-कबरई ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य में तेजी लाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि यह परियोजना कानपुर के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है और इसके शुरू होने से क्षेत्र के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य 'विकसित भारत' के साथ 'विकसित कानपुर' के संकल्प को साकार करना है और शहर के आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

सांसद रमेश अवस्थी ने बताया कि उन्होंने नितिन गडकरी से दिल्ली में शुक्रवार शाम को मुलाकत की जहां उनसे कहा कि लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का नाम भले ही दोनों शहरों के नाम पर है, लेकिन इसकी सीधी कनेक्टिविटी कानपुर शहर से नहीं होने के कारण शहरवासियों को इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है।

(डीपीआर) तैयार करने के निर्देश दिए

सांसद के अनुसार, नितिन गडकरी ने इस सुझाव को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि पुल या एलिवेटेड रोड की जरूरत होगी तो उसका भी प्रस्ताव तैयार किया जाए।

गंगा एक्सप्रेसवे से कनेक्टिविटी पर हुई बात

रमेश अवस्थी ने गंगा एक्सप्रेसवे से कानपुर को जोड़ने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि फिलहाल शहर की गंगा एक्सप्रेसवे से सीधी कनेक्टिविटी नहीं है, जिससे कानपुरवासियों को इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा। इस पर केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को उत्तर प्रदेश सरकार के साथ समन्वय कर कानपुर को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। सांसद के मुताबिक, गडकरी ने जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री से भी इस विषय पर चर्चा करने का आश्वासन दिया।

अन्य मार्गों को लेकर हुई चर्चा

बैठक में रामादेवी से गोल चौराहा तक प्रस्तावित एलिवेटेड रोड परियोजना की प्रगति पर भी चर्चा हुई। सांसद ने बताया कि यूटिलिटी शिफ्टिंग और तकनीकी प्रक्रियाओं के कारण परियोजना में देरी हो रही है। इस पर नितिन गडकरी ने अधिकारियों को आवश्यक औपचारिकताएं जल्द पूरी कर परियोजना का शिलान्यास कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री से भी उनकी बातचीत हो चुकी है।

लोधेश्वर महादेव धाम का काशी की तर्ज पर विकास

48.79 करोड़ की परियोजना से मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के ऐतिहासिक लोधेश्वर महादेव धाम का स्वरूप अब काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर बदला जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर पर्यटन विभाग की ₹48.79 करोड़ की समेकित पर्यटन विकास परियोजना के तहत मंदिर परिसर को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। इस परियोजना से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और धार्मिक पर्यटन को नई पहचान मिलेगी। रविवार 4 बजेप्रशासक की तरफ से लेआउट जारी किया गया लगभग 12,980 वर्गमीटर क्षेत्र में विकसित की जा रही इस परियोजना में पांच भव्य प्रवेश द्वार, 652 मीटर लंबा कवर्ड कॉरिडोर, आधुनिक विजिटर फैसिलिटी कॉम्प्लेक्स, क्लॉक रूम, मेडिकल सेंटर, कमांड सेंटर और कंट्रोल रूम शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था, लैंडस्केपिंग, नौ दुकानें और पेयजल जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। पुरुषों और महिलाओं के लिए 26-26 शौचालय तथा दिव्यांगजनों के लिए अलग शौचालय भी बनाए जाएंगे। कार्यदायी संस्था सीएंडडीएस के परियोजना प्रबंधक देवव्रत पवार के अनुसार, भूमि हस्तांतरण के बाद अप्रैल 2026 से निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है। वर्तमान में पाइलिंग और फाउंडेशन का कार्य जारी है। परियोजना को अगले वर्ष अक्टूबर तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने बताया कि यह परियोजना आस्था और पर्यटन का सुंदर संगम बनेगी। जिला प्रशासन निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए नियमित निगरानी कर रहा है। उन्होंने कहा कि इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय व्यापार, रोजगार तथा अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर दी जान

मोहनलालगंज। लखनऊ में एक युवक ने अपनी बुआ की बेटी के साथ सुसाइड कर लिया है। रविवार तड़के दोनों की डेडबॉडी तेलीबाग में किराये के घर में सीलिंग फैन पर अलग-अलग कपड़ों के फंदे से लटकी मिली। दोनों के बीच करीब 3 साल से अफेयर था। वे शादी करना चाहते थे लेकिन इसके लिए घरवाले और रिश्तेदार राजी नहीं थे। दोनों को समझाने के लिए परिजन उन्हें इटावा में रहने वाले एक रिश्तेदार के यहां ले जा रहे थे। कानपुर में दोनों चलती ट्रेन से कूदकर लखनऊ आ गए थे। घटना तेलीबाग के बलदेव विहार कॉलोनी की है। युवक की पहचान शाहजहांपुर के रीवा निगोही निवासी राम अवतार के बेटे अनिकेत उर्फ रानू कुमार (21) और युवती की पहचान गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी निवासी महेंद्र की बेटी अंजलि (18) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर युवती के परिजनों को सूचना दे दी है।

बीएससी छात्र ने 250 रुपए का नकाब खरीदा

प्रेमिका का 5.50 लाख कर्ज चुकाने के लिए छोटे भाई के साथ लूट करने पहुंचा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र में एक प्रिंटर दुकानदार के घर लूट के इरादे से घुसे दो युवकों को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। भीड़ की पिटाई के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर रविवार दोपहर 2 बजे बजे मेडिकल परीक्षण कराकर न्यायालय में पेश किया। इस मामले में एक बीएससी छात्र, उसके नाबालिग भाई 12 वीं का छात्र और एक युवती को हिरासत में लिया गया है। यह घटना शनिवार दोपहर 2 बजे श्यामनगर के ई-ब्लॉक निवासी प्रिंटर दुकानदार राजेंद्र दधीचि के घर में हुई। नकाबपोश युवकों ने घर में घुसकर राजेंद्र की पत्नी राधा और बहू शैली पर लोहे की रॉड से हमला किया था। शोर सुनकर मोहल्ले के लोगों ने करीब 300 मीटर तक पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने प्रांजल उर्फ वरुण सिंह (21), उसके 17 वर्षीय नाबालिग भाई और प्रेमिका श्यामिका को हिरासत में लिया। शैली दधीचि की तहरीर पर तीनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्रांजल ने पुलिस को बताया कि उसकी महिला मित्र श्यामिका और उसके परिवार ने 4 लाख रुपये का कर्ज लिया था, जिसमें उसने अपनी आईडी बतौर गारंटर लगाई थी। कर्ज न चुका पाने के कारण यह राशि बढ़कर 5.50 लाख रुपये हो गई थी। श्यामिका ने प्रांजल को बताया था कि उसके बड़े पापा राजेंद्र के घर में अक्सर बड़ी रकम रखी रहती है और दिन में पुरुष काम पर चले जाते हैं, जिससे महिलाएं अकेली होती हैं। प्रांजल के अनुसार, श्यामिका का परिवार 24 हजार रुपये की मासिक किस्त नहीं भर पा रहा था। श्यामिका ने उस पर दबाव बनाया कि चूंकि उसने गारंटी दी है, इसलिए उसे पूरा भुगतान करना होगा, अन्यथा वह उसे झूठे मामले में फंसा देगी। इसके बाद श्यामिका ने सोशल मीडिया पर अपराध के तरीके देखकर उसे नकाब पहनकर लूट करने की सलाह दी थी।

आरोप : पार्षद बोलीं- नाले की दीवार बनाने में घोटाला हुआ, आईआईटी से जांच की मांग

3.50 करोड़ से बनी सीसामऊ नाले की दीवार ढही

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में 3.50 करोड़ की लागत से बनी सीसामऊ नाले की दीवार पहली बारिश में ही ढह गई। वार्ड- 10 पार्षद लक्ष्मी कोरी ने दीवार बनाने में करोड़ों का घोटाला करने का आरोप लगाते हुए आईआईटी से जांच कराने की मांग की है। इसके साथ ही दोषी ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके रिकवरी की भी बात कही है। पार्षद ने पूरे मामले की शिकायत नगर आयुक्त से की है। इससे पहले मंडलायुक्त के साथ ही सीएम से शिकायत करते हुए महापौर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। वहीं, दूसरी तरफ महापौर ने मामले में कहा कि ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड कर दिया है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी। तीन महीने पहले 3.50 करोड़ रुपए की लागत से वार्ड- 4, वार्ड- 10 और वार्ड-15 से होते हुए जा रहे सीसामऊ नाले के दोनों ओर दीवार बनवाना और ग्रिल लगवाने का काम पूरा हुआ था। जिसका मकसद यह था कि शहरियों को नाले में गिरने या बारिश के समय हादसा होने से बचाया जा सके, लेकिन सीसामऊ नाले की यह दीवार मैकरॉबर्टगंज स्थित चांदमारी कब्रिस्तान की तरफ तो ढही इसके अलावा वार्ड- 10 और और वार्ड-4 में भी पहली ही बरसात में कई जगहों पर बाउंड्री टूट गई है। दीवार गिरने के साथ उखड़ी नींव के नीचे मजबूत कंक्रीट बेस की जगह केवल मिट्टी दिखाई दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण के दौरान ही घटिया सामग्री के इस्तेमाल की शिकायतें की गई थीं, लेकिन उन पर ध्यान नहीं दिया गया।

नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। ठेकेदार फर्म का भुगतान रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

3 महीने पहले बनी थी नाले की दीवार, पहली बारिश में ही बह गई

करीब एक साल पहले ग्वालटोली क्षेत्र में इसी सीसामऊ नाले में गिरकर एक बच्ची की मौत हो गई थी। इसके बाद महापौर प्रमिला पांडेय ने जोन-4 के वार्ड-15 के अंतर्गत सीसामऊ नाला, बकरमंडी ढाल से जल निगम टैपिंग स्टेशन तक करीब 1.8 किमी लंबे सीसामऊ नाले के दोनों ओर दीवार बनवाने का निर्णय लिया था। इसका बजट स्वीकृत होने के बाद मेसर्स श्रीराम इंटरप्राइजेज को ठेका दिया गया था।

पार्षद का आरोप- 3.5 करोड़ कहां गए?

वार्ड पार्षद लक्ष्मी कोरी ने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद निर्माण बेहद घटिया हुआ है। उनका कहना है कि दीवार में गुणवत्ता का कोई ध्यान नहीं रखा गया और सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ है।

जगह-जगह बाउंड्री को खोल दिया गया है और बाउंड्री पर ग्रिल लगाया जाना था, लेकिन जाली लगा दी गई वो भी कई जगहों पर टूट गई है। उन्होंने ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराकर पैसे की रिकवरी और मजबूत निर्माण कराने की मांग की।

महापौर प्रमिला पांडेय ने कहा कि दीवार गिरने के बाद सर्वे कराया गया है। ठेकेदार पर जुर्माना लगाकर उसे ब्लैकलिस्ट किया जा चुका है। दीवार का दोबारा निर्माण कराया जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

अंतिम संस्कार के 3 दिन बाद पति जिंदा लौटा

औरैया में पत्नी से झगड़े के बाद छोड़कर चला गया था

तमसा संकेत, एजेंसी

औरैया। यूपी के औरैया में जिस युवक का परिवार और रिश्तेदारों ने तीन दिन पहले अंतिम संस्कार किया, वह अचानक सही-सलामत घर लौट आया।

उसे जिंदा अपने सामने देखकर परिजनों के होश उड़ गए। मामला अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के सैदपुर गांव का है।

दरअसल, डेढ़ साल पहले पत्नी से झगड़े के बाद पति घर छोड़कर चला गया था। काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी। 3 दिन पहले पुलिस को एक सड़ा-गला शव मिला। सूचना मिलने पर उसके भाई ने कपड़ों और कद-काठी के आधार पर शव की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। परिवार ने उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया। कहानी में मोड़ तब आया, जब पत्नी ने अपने मोबाइल पर काफी समय पहले आए अज्ञात कॉल्स में से एक नंबर पर कॉल बैक किया। दूसरी तरफ से आवाज उसके लापता पति कमल की थी। पत्नी ने अंतिम संस्कार की बात बताई तो कमल शनिवार रात 10 बजे घर लौट आया। अब पुलिस पशोपेश में है। यह पता लगाने में जुटी है कि खंडहर में जिस युवक का शव मिलने के बाद अंतिम संस्कार करा दिया गया, वह कौन था और उसकी मौत कैसे हुई।

सड़क खोदी, तो पहले जैसी बनानी होगी : सीएम

आगरा में समीक्षा बैठक की, सड़क मरम्मत में गड़बड़ी पर अधिकारियों को फटकार

हिदायत

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय आगरा दौरे के दौरान शनिवार देर रात मंडलायुक्त कार्यालय में कानून व्यवस्था और विकास परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जनहित से जुड़े कार्यों में लापरवाही न बरतने की सख्त हिदायत दी। विशेष रूप से पेयजल पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों की खराब स्थिति पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई और जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब-तलब किया। मुख्यमंत्री ने जल निगम और संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पाइपलाइन या अन्य कार्यों के लिए सड़क की खुदाई करने के बाद उसे केवल

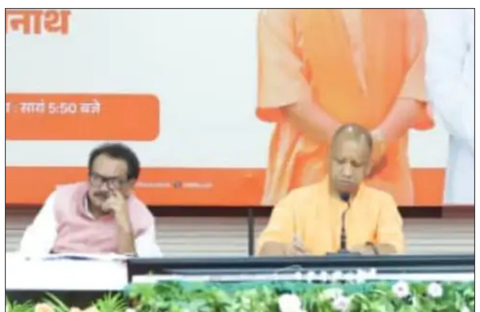

चलने योग्य बनाकर छोड़ देना स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार की सड़क पहले थी, कार्य पूरा होने के बाद उसे उसी गुणवत्ता और स्वरूप में बहाल करना संबंधित कार्यदायी संस्था और ठेकेदार की जिम्मेदारी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी विभाग ने सीसी सड़क को तोड़ा है तो उसकी मरम्मत भी सीसी सड़क के रूप में ही की जानी चाहिए। सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जल निगम के अधिकारियों को तलब करते हुए निर्देश दिए कि सड़क मरम्मत में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कराई जाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक धन से होने वाले विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अवैध खनन और ओवरलोड वाहनों के कारण सड़कों को होने वाले नुकसान पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अवैध खनन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाए और इसकी नियमित समीक्षा की जाए।

> **सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि आम जनता की शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि जनसुनवाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फुटपाथों पर कारोबार करने वाले रेहड़ी-पटरी दुकानदारों के पुनर्वास पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को बिना वैकल्पिक व्यवस्था के हटाने के बजाय उनके लिए उपयुक्त स्थानों पर वेंडिंग जोन विकसित किए जाएं।**

टीटीजेड और न्यायालय के आदेशों की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश

बैठक में मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि न्यायालय के निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन किया जाए। उन्होंने मंडलायुक्त को निर्देश दिया कि ताज ट्रेपेजियम जोन (टीटीजेड) और आगरा से जुड़े न्यायालय के सभी महत्वपूर्ण मामलों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा आवश्यक सूचनाएं समय-समय पर शासन को भेजी जाएं।

ई-रिक्शा, टेंपो और थ्री-व्हीलर चालकों का होगा सत्यापन

मुख्यमंत्री ने शहर में संचालित ई-रिक्शा, टेंपो और अन्य थ्री-व्हीलर चालकों का व्यापक सत्यापन अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक चालक का पूरा विवरण, उसका स्थायी पता और आपराधिक रिकॉर्ड की जांच की जाए। मुख्यमंत्री का कहना था कि इस व्यवस्था से असामाजिक और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सकेगी और शहर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी।

सीएम ने सभी अधिकारियों को जनसुनवाई को पहली प्राथमिकता बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि भी नियमित रूप से लोगों से संवाद करें और उनकी समस्याएं सुनें। आईजीआरएस और अन्य माध्यमों से मिलने वाली शिकायतों का मेरिट के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

पंचकूला जीजा-साला मर्डर केस में 2 अरेस्ट

प्रेम संबंध बना था हत्या की वजह, यूपी-बिहार के रहने वाले आरोपी

तमसा संकेत, एजेंसी

पंचकूला। पंचकूला के सेक्टर-19 स्थित बहुचर्चित जीजा-साला डबल मर्डर केस में पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद छह दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस अब वारदात में इस्तेमाल हथियारों की बरामदगी, साजिश और अन्य फरार आरोपियों के संबंध में पूछताछ कर रही है। डीसीपी अदिति सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजीव पासवान उर्फ बकरी (22) निवासी बिहार, हाल निवासी अभयपुर, पंचकूला तथा रोशन उर्फ मोटा (20) निवासी लखनऊ, हाल निवासी अभयपुर के रूप में हुई है। दोनों लंबे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस जांच के अनुसार, 4 जुलाई को सीआईडी अंडरपास के

पास संजीत और अर्जुन उर्फ चिट्टा के शव मिले थे। दोनों के शरीर पर तेजधार हथियारों से किए गए कई वार थे। जांच में सामने आया कि अर्जुन का संजीत की बहन के साथ कई वर्षों से प्रेम संबंध था और दोनों ने मंदिर में विवाह भी किया था। बाद में दोनों अलग रहने लगे, जिससे दोनों परिवारों के बीच विवाद बढ़ गया। पुलिस के अनुसार, नामकरण समारोह के बहाने अर्जुन को बुलाया गया, जहां उस पर योजनाबद्ध तरीके से हमला किया गया।

फास्ट न्यूज

ताजमहल के सेंट्रल टैंक में बंदरों की मस्ती

आगरा। ताजमहल के सेंट्रल टैंक में रविवार सुबह बंदरों की मस्ती ने पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। बंदरों ने टैंक में जमकर डुबकियां लगाईं। काफी देर तक पानी में उछलकूद करते रहे। इस दौरान वहां मौजूद पर्यटक पूरे नजारे को अपने मोबाइल कैमरों में कैद करते नजर आए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि वीडियो रविवार सुबह करीब 7:30 बजे का है।

करंट से दो ई-रिक्शा चालकों की मौत

मुरादाबाद। मुरादाबाद में शनिवार शाम बारिश के दौरान सड़क किनारे रखे ट्रांसफार्मर से ई-रिक्शा छू गया। करंट फैलने से चालक की मौके पर ही मौत हो गई। चालक को बचाने दौड़ा दूसरा ई-रिक्शा चालक भी करंट की चपेट में आ गया। दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद बिजली विभाग की लापरवाही पर सवाल उठे हैं। मृतक के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने बिजली विभाग के जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सामने से आई बाइक को साइड देते वक्त हुआ हादसा

माधोपुर तीर पर पुलिस बीट हाउस निष्क्रिय

सुलतानपुर। धनपतगंज थाना क्षेत्र के माधोपुर तीर स्थित पुरानी गोमती पुल के पास बना पुलिस बीट हाउस निष्क्रिय पड़ा है। यह बीट हाउस केवल शोपीस बनकर रह गया है, जहां न तो कभी पुलिसकर्मी दिखते हैं और न ही इसका ताला खुलता है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, जब से यह बीट हाउस बनाया गया है, तब से इस पर ताला लटका हुआ है। यह झाड़-झंकाड़ से ढका हुआ है और यहां कोई भी क्षेत्रीय पुलिसकर्मी समय देने की जहमत नहीं उठाता।

अफेयर में 26 साल के युवक की हत्या

गाजीपुर में आधी रात घर में घुसकर चाकू से गोदा

- विजय के गले में चाकू फंसा था। शरीर पर भी चाकू मारने के कई घाव थे।
- विजय की मौत के बाद से परिवारवालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजीपुर। यूपी के गाजीपुर में अफेयर के चक्कर में 26 साल के बाइक मैकेनिक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। शनिवार देर रात हत्यारे गले में चाकू घोपकर भाग गए। घरवालों को रविवार सुबह 8:30 बजे तब पता चला, जब उन्होंने कमरे में खून से सना शव पड़ा देखा। युवक के गले में चाकू फंसा था। मां का आरोप है कि बेटे का पड़ोस की गांव की एक लड़की से अफेयर चल रहा था। इसी रंजिश में हत्या की गई। शनिवार शाम कार से आए कुछ लोग हमारे घर का मोबाइल से फोटो-वीडियो बना रहे थे। देखने पर भाग गए थे। उन्हीं लोगों ने मेरे बेटे को मारा है। युवक के शरीर पर भी 2 जगह पर पेट पर भी चाकू घोपने के निशान मिले हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

हम दरी बिछाकर बैठने वाले नहीं, सरकार समझ ले अब तानाशाही नहीं चलेगी

अखिलेश के सामने पैर पर पैर डालकर बैठूंगा : ओवैसी

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कहा- यह देश के युवाओं के संघर्ष, जद्दोजहद और कुर्बानी की बड़ी जीत है। छात्रों के आगे सरकार को झुकना पड़ा।

आने वाला वक्त बताएगा कि हम विजयी रहेंगे। उन्होंने कहा- मैं उन छात्रों को सलाम करता हूं, जिन्होंने कई हफ्तों से जंतर-मंतर पर बैठकर ऐसा मंत्र पढ़ा कि मोदी को रात के 12 बजे वीडियो बनाना पड़ा। देश में तानाशाही नहीं चलेगी। संगठित आवाज के आगे सत्ता को भी झुकना पड़ता है।

> **ओवैसी ने कहा- हमने देखा कि समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जौहर यूनिवर्सिटी की उन तमाम बिल्डिंग्स को रेगुलराइज किया जा सकता है। कानून का हवाला दिया कि 1973 का उत्तर प्रदेश नगर विकास अधिनियम, इसके तहत जौहर यूनिवर्सिटी को रेगुलराइज किया जा सकता है। उन्होंने कहा- 2017 तक मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए अखिलेश ने जौहर यूनिवर्सिटी को नियमित क्यों नहीं किया, जबकि उनके पास 1973 के कानून का इस्तेमाल करने का पूरा मौका था।**

भविष्य की राजनीति में युवाओं की भूमिका बढ़नी चाहिए

ओवैसी ने कहा कि देश की बड़ी आबादी युवा है। भविष्य की राजनीति में युवाओं की भूमिका बढ़नी चाहिए। AIMIM पार्टी का उद्देश्य केवल भावनात्मक भाषण देना नहीं।

आजम के लिए कितने सपाई सड़कों पर उतरे

उन्होंने कहा- मैं यह पूछना चाहता हूं कि आजम खान को जेल में डालने के बाद सजा हो गई, कितने सपा के लोगों ने रोड पर निकलकर धरना दिया? बताओ हमको, कोई जवाब नहीं दे सकेगा। अतीक को पुलिस कस्टडी में गोली मार दी गई, कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हुआ। ऐसे कितनी बातें मैं तुम्हारे सामने रख सकता हूं। ओवैसी ने कहा- आज आप देख रहे हैं कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार है। वो पूरी कोशिश कर रही है कि मुस्लिम अल्पसंख्यक के बच्चे और बेटियां शिक्षित न हों। इसीलिए जौहर यूनिवर्सिटी को ध्वस्त करने की नोटिस दिया गया है।

ओवैसी ने कहा- अब चुनाव का मौसम आएगा, तो कोई आकर कहेगा कि फलां को मुख्यमंत्री बनाना है, हम सत्ता में आ रहे हैं। चार बार आपने गलती की, आपने अपनी लीडरशिप को पैदा नहीं किया।

30 जुलाई से बढ़ेगा रोडवेज बसों का किराया

दिल्ली, हरिद्वार, देहरादून समेत कई रूटों पर लागू होगा आदेश, कांवड़ यात्रा के चलते फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। कांवड़ यात्रा के दौरान लागू होने वाले ट्रैफिक डायवर्जन का असर अब उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बस सेवाओं पर भी दिखाई देगा। लंबी दूरी के वैकल्पिक मार्गों से बसों के संचालन के कारण परिवहन निगम ने कई प्रमुख रूटों पर बस किराए में बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। नई किराया दरें 30 जुलाई से प्रभावी होंगी। क्षेत्रीय प्रबंधक अम्बरीन अख्तर ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रतिबंध और डायवर्जन लागू रहेगा। ऐसे में रोडवेज बसों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी, जिससे डीजल की खपत और संचालन लागत बढ़ेगी। इसी को ध्यान में रखते हुए किराए में संशोधन किया गया है। रोडवेज प्रशासन ने नई किराया सूची सभी डिपो और बस अड्डों पर उपलब्ध करा दी है, ताकि यात्रियों को यात्रा से पहले संशोधित

दरों की जानकारी मिल सके। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने राजकीय मुड़िया पूर्णिमा गोवर्धन मेले के लिए विशेष बस संचालन की योजना बनाई है। निगम ने मुरादाबाद मंडल से 100 अतिरिक्त रोडवेज बसें आगरा भेजने का निर्णय लिया है।

ये विशेष बसें 29 जुलाई तक श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए संचालित रहेंगी, जिससे गोवर्धन मेले में आने-जाने वाले यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा मिल सके। इन सभी बसों को श्रद्धालुओं की सुविधा और भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग चरणों में संचालित किया जाएगा।

अलग-अलग डिपो से भेजी जाएंगी अतिरिक्त बसें

परिवहन निगम ने विभिन्न डिपो से अतिरिक्त बसों की तैनाती की है। इसके तहत—

- मुरादाबाद डिपो: 21 बसें
- पीतलनगरी डिपो: 21 बसें
- नजीबाबाद डिपो: 13 बसें
- अमरोहा डिपो: 13 बसें
- रामपुर डिपो: 15 बसें
- बिजनौर डिपो: 17 बसें

बसों की तकनीकी जांच पूरी, चालक-परिचालकों की तैनाती

रोडवेज अधिकारियों के अनुसार, मेले में भेजी जाने वाली सभी बसों की तकनीकी जांच पूरी कर ली गई है। साथ ही पर्याप्त संख्या में चालक और परिचालकों की भी तैनाती की गई है, ताकि यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और समयबद्ध यात्रा का लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित हुई महावन बांगर ग्राम पंचायत

लगातार दूसरी बार जिले में बनी नंबर-1

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनपद मथुरा की महावन बांगर ग्राम पंचायत ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली का परिचय देते हुए मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार हासिल किया है। पाञ्चजन्य सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में ग्राम पंचायत को विकास कार्यों, नवाचारों, स्वच्छता और जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सम्मानित किया गया। खास बात यह रही कि ग्राम पंचायत ने लगातार दूसरी बार जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी उपलब्धि दोहराई है। सम्मान समारोह में ग्राम पंचायत महावन बांगर के ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) चिंटू कुमार कुन्तल को जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह (आईएएस) ने

मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया। इस उपलब्धि पर समारोह में मौजूद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने पूरी टीम को बधाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद हेमा मालिनी ने की। समारोह में विधायक पूरन प्रकाश एडवोकेट और विधायक राजेश चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। सभी अतिथियों ने ग्राम पंचायत की उपलब्धियों की सराहना करते हुए इसे अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणादायक बताया। समारोह में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता (आईएएस), जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे और जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल ने भी पुरस्कार प्रदान कर ग्राम पंचायत की टीम का उत्साहवर्धन किया। अधिकारियों ने कहा कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और जनभागीदारी ही पंचायत की सफलता का आधार है। इस अवसर पर उपायुक्त मनरेगा विजय कुमार पाण्डेय, परियोजना निदेशक अरुण कुमार उपाध्याय, बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति, जनपद के सभी खंड विकास अधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव, शिक्षक तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पृष्ठ 01 का शेष...

डिग्री कॉलेज के ...

आचार्य ने अंतिम परीक्षा लेते हुए कहा कि जंगल से ऐसी वनस्पति लाकर दिखाओ, जिसमें कोई औषधीय गुण न हो। जीवक कई दिन तक वन में खोज करते रहे, लेकिन उन्हें ऐसी कोई वनस्पति नहीं मिली। लौटकर उन्होंने आचार्य से कहा- नास्ति मूलं अनौषधं यानी अर्थात ऐसी कोई वनस्पति नहीं है, जिसमें औषधीय गुण न हो। इस पर आचार्य ने उन्हें परीक्षा में सफल घोषित किया। सीएम ने कहा कि यह प्रसंग बताता है कि एक सच्चा गुरु अपने शिष्य को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि सही दृष्टि भी देता है। योगी ने कहा- किसी छात्र को क्या सीखना है, यह तभी तय होगा जब शिक्षक उसका सही मार्गदर्शन करेंगे। उससे लगातार बात करते रहेंगे। उसकी बातों को सुनते रहेंगे। उसे सही रास्ता दिखाते रहेंगे। सही और गलत बताते रहेंगे। तभी छात्र में बदलाव आएगा। बेहतर परिणाम मिलेंगे। सीएम योगी ने कहा- गुरु पूर्णिमा से पहले इस चिकित्सा योजना का शुभारंभ करते हुए मुझे अत्यंत खुशी हो रही है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को जोड़ा जा रहा है। इससे 10 लाख से अधिक शिक्षकों और कर्मचारियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में पंजाब नेशनल बैंक के साथ होने वाले समझौते के तहत शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को अतिरिक्त सामाजिक सुरक्षा भी मिलेगी। योजना के तहत हर पात्र परिवार को सालाना 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य कवर मिलेगा। कार्ड बनने के बाद पहले दिन से ही योजना का लाभ लिया जा सकेगा। भर्ती, इलाज, दवाइयों और डिस्चार्ज तक का पूरा खर्च योजना के दायरे में शामिल होगा। योजना में सरकारी और निजी अस्पतालों में 1900 से अधिक उपचार पैकेज उपलब्ध होंगे। इनमें कैंसर, हृदय रोग, किडनी की बीमारी और बड़ी सर्जरी जैसे गंभीर इलाज भी शामिल हैं। योजना का संचालन साचीज (SACHIS) के माध्यम से होगा और आयुष्मान भारत की तय उपचार दरें लागू रहेंगी।इसमें 1.50 करोड़ रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, 3 करोड़ रुपये तक का हवाई दुर्घटना बीमा, अस्पताल में भर्ती होने पर 60 हजार रुपये तक की नकद सहायता और 12 लाख रुपये तक का टर्म लाइफ बीमा शामिल होगा। इससे पहले वाराणसी में सीएम योगी ने 12 लाख शिक्षकों के लिए कैशलेस इलाज की योजना भी शुरू की थी। इसके तहत शिक्षकों को 1 करोड़ रुपए तक का एक्सीडेंटल बीमा मिलेगा। इस योजना का लाभ शिक्षकों, शिक्षामित्रों और रसोइयों को मिलेगा। इसके लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ समझौता (एमओयू) किया गया था।कार्यक्रम में पंजाब नेशनल बैंक के साथ होने वाले समझौते के तहत शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को अतिरिक्त सामाजिक सुरक्षा भी मिलेगी। इसमें 1.50 करोड़ रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, 3 करोड़ रुपये तक का हवाई दुर्घटना बीमा, अस्पताल में भर्ती होने पर 60 हजार रुपये तक की नकद सहायता और 12 लाख रुपये तक का टर्म लाइफ बीमा शामिल होगा। इससे पहले वाराणसी में सीएम योगी ने 12 लाख शिक्षकों के लिए कैशलेस इलाज की योजना भी शुरू की थी। इसके तहत शिक्षकों को 1 करोड़ रुपए तक का एक्सीडेंटल बीमा मिलेगा। इस योजना का लाभ शिक्षकों, शिक्षामित्रों और रसोइयों को मिलेगा। इसके लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ समझौता (एमओयू) किया गया था। योगी ने कहा- आज समाज में जानकारी हासिल करने के कई माध्यम हैं। एक वर्ग अखबार पढ़ता है, दूसरा टीवी न्यूज देखता है और बड़ी संख्या में युवा स्मार्टफोन पर यूट्यूब और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म से जानकारी लेते हैं। ऐसे में जो लोग ज्यादा कंटेंट डालते हैं या ज्यादा व्यूज बटोरते हैं, कई बार छात्र उसी को सच मान लेते हैं। जबकि, हर जानकारी सही हो, यह जरूरी नहीं है। सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर भी लोग गलत जानकारी फैला सकते हैं। समाज में भ्रम और तनाव पैदा कर सकते हैं। सही तथ्यों की जानकारी न होने से पूरा सिस्टम अव्यवस्था और अराजकता का शिकार हो जाता है, जिसका असर वर्तमान और भविष्य दोनों पर पड़ता है।

आईटी विभाग आम ...

वित्त मंत्री ने सरकारी विभागों के ढीले रवैये पर सार्वजनिक रूप से गहरी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विभागों के ढीलेपन की वजह से ही सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे और अतिक्रमण होते हैं। सीतारमण ने बताया कि नरीमन पॉइंट स्थित जिस जमीन पर 'आयकर सिंधु' इमारत बनाई गई है, वह जमीन आयकर विभाग के पास साल 1973 से मौजूद थी। बावजूद इतने सालों में उस जमीन पर अवैध कब्जे हो गए। उन्होंने कहा कि हमारी संपत्ति का ध्यान रखना किसी की जिम्मेदारी थी, लेकिन जब अतिक्रमण हो जाता है तो हम बस यही कहते हैं कि हमारे पास जमीन तो है पर हम बना नहीं पा रहे हैं। यह दिखाता है कि हमारे सिस्टम में कितनी ढिलाई है। वित्त मंत्री ने मुंबई और नवी मुंबई क्षेत्रों में अधिकारियों के सरकारी आवास में न रहने और दफ्तर पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करने की समस्या पर भी चिंता जताई। उन्होंने संकेत दिया कि लगभग आधे अधिकारियों को सरकारी आवास की सुविधा नहीं मिल पाती है।

भारत इनोवेशन के ...

इससे पहले रक्षा मंत्री ने लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल वॉर मेमोरियल में शहीदों को श्रद्धांजलि दी। रक्षा मंत्री शनिवार को द्रास पहुंचे थे। यहां उन्होंने कारगिल वॉर मेमोरियल में आयोजित 'शौर्य संध्या' कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। यह कार्यक्रम कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय समारोह का हिस्सा है। कारगिल विजय दिवस पर पीएम नरेंद्र मोदी ने प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा कि देश भारत की सुरक्षा के लिए वीर जवानों के असाधारण साहस, बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति कृतज्ञ है। उन्होंने कहा कि जवानों की अटूट देशभक्ति और कर्तव्य के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। 5 मई 1999 को पाकिस्तान की घुसपैठ के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल की पहाड़ी चोटियों पर जंग हुई थी। युद्ध करीब 84 दिनों तक चला। 26 जुलाई 1999 को भारत की जीत के साथ युद्ध आधिकारिक तौर पर खत्म हुआ। इसमें भारतीय सैनिकों के बलिदान और वीरता को याद करते हुए हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। पहले भारत समझ रहा था कि थोड़े बहुत आतंकियों ने ही कश्मीर की घाटी पर कब्जा किया है, इसलिए भारत ने चंद सैनिकों को ही इन्हें खदेड़ने के लिए भेजा। जब भारतीय सेना पर अलग-अलग चोटियों से जवाबी हमले हुए तब पता चला कि ये एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। तत्काल भारतीय रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीज ने अपना रूस दौरा रद्द कर दिया। इसके बाद ऑपरेशन विजय लॉन्च किया गया। पाकिस्तानी सैनिक ऊंची पहाड़ियों पर बैठे थे, इस वजह से भारतीय सैनिकों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। भारतीय जवानों ने दुश्मन की नजर से बचने के लिए रात में मुश्किल चढ़ाई की। शुरुआत में भारतीय सेना को इसी वजह से खासा नुकसान उठाना पड़ा था। इस युद्ध में वायुसेना और नौसेना की भी बड़ी भूमिका रही। वायुसेना ने मिग-29 और मिराज-2000 विमानों के जरिए पाक सैनिकों पर बम बरसाए। इस दौरान पाकिस्तान ने हमारे दो लड़ाकू विमान मार गिराए थे जबकि एक क्रैश हो गया था। ने ऑपरेशन तलवार चलाया। इसके तहत कराची समेत कई पाक बंदरगाहों के रास्ते रोक दिए गए ताकि वह कारगिल युद्ध के लिए जरूरी तेल और ईंधन की सप्लाई न कर सके। साथ ही भारत ने अरब सागर में अपने जहाजी बेड़े को लाकर पाकिस्तान के समुद्री व्यापार रास्ते को भी बंद कर दिया था। इस युद्ध में एक निर्णायक मोड़ तब आया जब भारत ने बोफोर्स तोपों को भी युद्ध मैदान में उतारने का फैसला लिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स का चौथा दिन आज ■ भारतीय खिलाड़ी 5 खेलों में दिखाएंगे दम

मीराबाई चानू गोल्ड के लिए उतरेंगी

चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

कॉमनवेल्थ गेम्स के तीसरे दिन भारतीय खिलाड़ी वेटलिफ्टिंग, आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स, लॉन बॉल्स, स्विमिंग और बॉक्सिंग में चुनौती पेश करेंगे। भारतीय की सबसे ज्यादा उम्मीदें वेटलिफ्टिंग से रहेंगी। ओलिंपिक सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई चानू महिला 49 किग्रा फाइनल में उतरेंगी।

दिनभर में कुल 14 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे। इनमें सबसे ज्यादा 9 स्विमिंग और पैरा स्विमिंग, 3 वेटलिफ्टिंग और 2 आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स में होंगे।

स्विमिंग में शाम 4:39 बजे श्रीहरि नटराज, आर्यन नेहरा, अनीश

■ वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू और स्विमिंग में श्रीहरि नटराज से उम्मीदें होंगी।

गौड़ा और धाक्शन शशिकुमार पुरुष 4×200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले हीट्स में उतरेंगे। क्वालिफाई करने पर भारतीय टीम रात 1:56 बजे फाइनल खेलेगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार 27 जुलाई को होगा।

वेटलिफ्टिंग में तीन भारतीयों पर नजर

दोपहर 2 बजे ऋषिकांत सिंह पुरुष 60 किग्रा फाइनल में उतरेंगे। इसके बाद शाम 5:30 बजे मीराबाई चानू महिला 49 किग्रा फाइनल में गोल्ड के लिए मुकाबला करेंगी। रात 11 बजे एम राजा पुरुष 65 किग्रा फाइनल में हिस्सा लेंगे।

बॉक्सिंग में रात 10:45 बजे प्रीति पवार महिला 54 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ-16 में मलावी की डेबोरा मटेंजे से भिड़ेंगी। इसके बाद रात 11:45 बजे जदुमणि सिंह पुरुष 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ-16 में पाकिस्तान के मुक्केबाज का सामना करेंगे। 27 जुलाई को रात 12:45 बजे आदित्य प्रताप यादव पुरुष 65 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ-16 में युगांडा के मुक्केबाज के खिलाफ उतरेंगे।

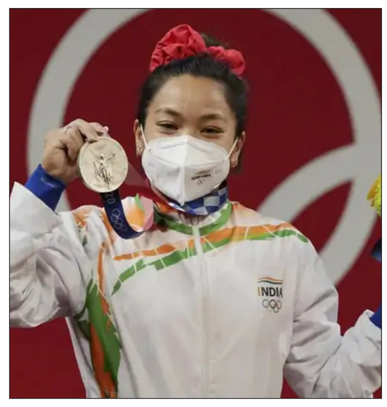

■ मीराबाई चानू ने 2020 टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीता था। तब कोविड की वजह से मास्क पहना था।

जिम्नास्टिक्स और लॉन बॉल्स में कई मुकाबले

जिम्नास्टिक में शाम 4:30 बजे योगेश्वर सिंह और तपन मोहंती पुरुष ऑल-अराउंड फाइनल खेलेंगे। वहीं रात 10:30 बजे महिला ऑल-अराउंड फाइनल होगा। इसमें भारतीय खिलाड़ी क्वालिफाई करने पर उतरेंगे। लॉन बॉल्स में दोपहर 1 बजे रूपा रानी तिर्की और पिंकी सिंह की जोड़ी महिला पेयर्स सेक्शनल प्ले में नामीबिया से भिड़ेगी। वहीं शाम 7:15 बजे पुतुल सोनोवाल पुरुष सिंगल्स सेक्शनल प्ले में माल्टा के शॉन जेम्स पार्निस का सामना करेंगे।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया पर 'संकट के बादल'

जसप्रीत बुमराह समेत 5 खिलाड़ी हो सकते हैं बाहर

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। भारत के कई खिलाड़ी चोटिल हैं और उनके सीरीज में खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। चोटिल प्लेयर्स में दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का भी नाम शामिल है। बुमराह के अलावा हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी पूरी सीरीज से बाहर हैं।

टेस्ट सीरीज का एलान मंगलवार को किया जा सकता है लेकिन उससे पहले भारत के लिए खिलाड़ियों की चोट ने चिंता बढ़ा दी है। चोट से जूझने वाले प्लेयर्स में साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर का भी नाम शामिल है। सुंदर को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान चोट का सामना करना पड़ा था और वे अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं।

श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले से ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर बाहर

हो गए हैं। इसके अलावा दूसरे टेस्ट मैच में उनकी उपलब्धता को लेकर भी संदेह है। अगर वे फिट होते हैं, तो दूसरे मैच के लिए चुने जा सकते हैं। बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खेले गए दूसरे वनडे मैच के दौरान चोट का सामना करना पड़ा था। इसके बाद वे तीसरे वनडे मैच से बाहर हो गए थे। अब उनके टेस्ट सीरीज में खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। उनका चयन फिटनेस के आधार पर किया जाएगा। युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन भी इस समय चोट की समस्या से जूझ रहे हैं। वे अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं और तेजी से उबर रहे हैं।

ट्रिनिडाड टेस्ट में वेस्टइंडीज की हुई मजबूत शुरुआत

वेस्टइंडीज ने पहले दिन 3 विकेट पर 194 रन बनाए

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच ट्रिनिडाड के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 3 विकेट पर 194 रन बना लिए। कावेम हॉज 83 और शाई होप 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों चौथे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी कर चुके हैं। खराब रोशनी के कारण पहले दिन सिर्फ 67 ओवर का खेल हो सका।

ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में पहली बार टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। मैच शुरू होने से

पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पिछले सप्ताह निधन वाले महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में एक मिनट का मौन रखा। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों और अंपायरों ने काली पट्टी बांधकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बारिश के कारण सुबह के सत्र में सिर्फ 14.1 ओवर का खेल हो सका। वेस्टइंडीज ने इस दौरान 23 रन बनाए और एक विकेट गंवाया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने शानदार लाइन-लेंथ से गेंदबाजी की। उन्होंने शुरुआती 7 ओवर में 5 मेडन डाले। दबाव में आए ब्रैंडन किंग बाहर जाती गेंद पर कट लगाने की कोशिश में बोल्ड हो गए। इसके बाद तेज बारिश शुरू होने से अंपायरों ने समय से पहले लंच की घोषणा कर दी।

लंच के बाद पिच में नमी होने से तेज गेंदबाजों को मदद मिली। इसके बावजूद कावेम हॉज ने कुछ आकर्षक चौके लगाए और तगेनरायन चंद्रपॉल के साथ 50 से ज्यादा रन की साझेदारी की।

खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं, फाइनल में मिस्र की रुक्या सलेम को 3-0 से हराया

अनाहत सिंह ने जूनियर स्क्वैश वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की 18 साल की स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप 2026 का खिताब जीता।

शनिवार को खेले गए गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में टॉप सीड अनाहत ने मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त रुक्या सलेम को 11-3, 11-7, 11-9 से हराया। इसके साथ ही वे जूनियर वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं।

इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2005 में रहा था, जब जोशना चिनप्पा फाइनल तक पहुंची थीं। अनाहत ने अब भारत को इस टूर्नामेंट

का पहला गोल्ड दिलाया।

गर्ल्स वर्ग में अनाहत के अलावा रुद्र सिंह, अनिका दुबे और शानवी कलंकी राउंड ऑफ-32 में बाहर हो गईं।

बॉयज वर्ग में आर्यवीर दीवान भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे। वे प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। युशा नफीस और गुरवीर सिंह राउंड ऑफ-32, जबकि पुरव रामभिया राउंड ऑफ-64 में हार गए। सीनियर PSA वर्ल्ड रैंकिंग में 20वें स्थान पर मौजूद अनाहत की नजर अब 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर होगी, जहां पहली बार स्क्वैश को शामिल किया गया है।

पिछले साल ब्रॉन्ज जीता था

अनाहत ने पिछले साल जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इस बार उन्होंने उसे गोल्ड में बदल दिया। चार बार की चैंपियन मिस्र की अमीना ओर्फी उम्र सीमा के कारण इस बार टूर्नामेंट में नहीं खेलीं।

गर्ल्स जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2011 से लगातार मिस्र की खिलाड़ी खिताब जीत रही थीं। अनाहत ने फाइनल में रुक्या सलेम को हराकर यह सिलसिला तोड़ दिया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 6 मैच खेले और सिर्फ 2 गेम गंवाए।

मनोरंजन

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद जेन जी से माफी मांगी, पारुल गुलाटी ने भी मनाया जश्न

सोनाक्षी सिन्हा ने कान पकड़कर लगाई दंड-बैठक

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सोनाक्षी सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर जेन Z की तारीफ की।

वीडियो में सोनाक्षी ने कहा कि उन्होंने पहले जेन Z को हल्के में लिया था, लेकिन अब उनकी सोच बदल गई है। उन्होंने कैमरे के सामने कान पकड़कर दंड-बैठक भी की और कहा कि अब वह भी जेन Z जैसी बनना चाहती हैं।

सोनाक्षी ने वीडियो में कहा, 'भाई, आप जानते नहीं हो, आपने आज क्या किया है। ब्रो, मैं तो आर्टिस्ट हूं, लेकिन जेन Z आर्ट है। पता है, मैं जेन Z को बहुत हल्के में लेती थी।' सोनाक्षी सिन्हा इससे

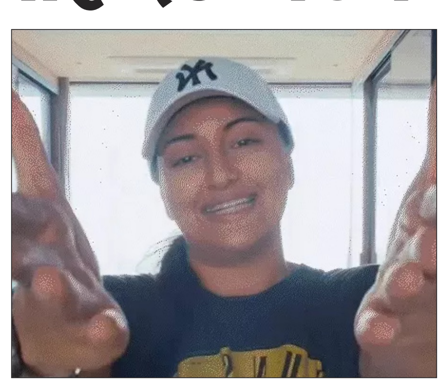

पहले भी छात्रों के समर्थन में सोशल मीडिया पर अपनी राय रख चुकी हैं। उन्होंने छात्रों के लिए न्याय की मांग की थी। इसके अलावा उन्होंने भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक का समर्थन करते हुए सरकार से सवाल भी उठाए थे। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद एक्ट्रेस और एंटरप्रेन्योर पारुल गुलाटी का सोशल मीडिया पोस्ट चर्चा में है। पारुल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह जश्न मनाती नजर आ रही हैं। वीडियो पर लिखा है, 'हम मालकिन हॉस्टल में धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा ऐसे मना रहे हैं।'

इंस्टाग्राम पर किए कई पोस्ट

इससे पहले सोनाक्षी सिन्हा ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद लगातार इंस्टाग्राम पर कई पोस्ट शेयर किए। एक पोस्ट में लिखा था, 'धर्मेंद्र प्रधान ने रिजाइन कर दिया।' एक अन्य इंस्टाग्राम स्टोरी में उन्होंने प्रदर्शन कर रहे छात्रों की तस्वीर शेयर की। इसके बैकग्राउंड में फिल्म धुरंधर का गाना आरी आरी बजता सुनाई दे रहा था। इसके अलावा उन्होंने CJP नेता अभिजीत दिपके का एक वीडियो भी शेयर किया और लिखा, 'भाई, क्या कह दिया?' साथ ही उन्होंने सोनम वांगचुक को धन्यवाद दिया।

2 घंटे 32 मिनट की फिल्म ने ओटीटी पर डाला डेरा

ट्रेंडिंग में अव्वल निकली नई एक्शन-कॉमेडी

नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर हर हफ्ते कुछ न कुछ नया पुराना आता रहता है। हाल ही में एक ऐसी फिल्म को ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया है, जिसने थिएटर्स से लेकर बॉक्स ऑफिस तक जमकर धमाल मचाया है। ओटीटी पर आते ही मूवी ने अपनी असली कमाल दिखाना शुरू कर दिया है और ट्रेंडिंग में टॉपर निकली है। खास बात ये है कि ये पूरी फिल्म सिर्फ और सिर्फ एक इकलौती एक्ट्रेस के कंधों पर है, जिसमें कॉमेडी और एक्शन का डबल डोज देखने को मिलेगा।

जो फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करती है, उसकी ओटीटी रिलीज का फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। ऐसी है एक फिल्म हाल ही में ओटीटी पर

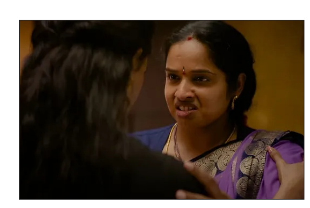

आई है, जो साउथ सिनेमा से नाता रखती है। फिल्म की कहानी एक स्वर्णा नाम की अनाथ लड़की है की स्टोरी है, जो देखने में तो सीधी-साधी और भोली-भाली लगती है, लेकिन उसका अतीत काफी खतरों से भरा रहा है। शादी के बाद वह अपने डॉक्टर पति के घरवालों का दिल जीतने की पूरी कोशिश करती है, लेकिन इस मामले में वह बार-बार नाकाम होती है। फिर स्वर्णा की जिंदगी में उसके अतीत के कुछ पुराने दुश्मन री-एंट्री करते हैं ।

सच जानकर टूट गए थे सुपरस्टार, उठ गया था लोगों पर से भरोसा

अडॉप्टेड थे राजेश खन्ना

नई दिल्ली, एजेंसी

सुपरस्टार राजेश खन्ना ने एक समय पर सिनेमा पर राज किया। सुपरहिट फिल्मों की झड़ी लगाई, देशभर की लड़कियों की दीवाना बनाया। मगर इस बीच निजी जिंदगी उतार-चढ़ाव से भरी रही।

राजेश खन्ना ने अंजू महेंद्रू से ब्रेकअप और डिंपल कपाड़िया से शादी में तनाव के साथ-साथ असफलता का गम भी झेला। मगर उन्हें सबसे बड़ा झटका तब लगा था, जब उन्हें पता चला था कि वह अडॉप्टेड हैं। राजेश खन्ना के आखिर दिनों में उनके करीब होने का दावा करने वालीं अनीता आडवाणी (Anita Advani) ने इसका खुलासा किया है।

अनीता आडवाणी ने मेरी सहेली पॉडकास्ट में राजेश खन्ना के बारे में बात की है। अनीता ने दावा किया कि बचपन, असफल रिश्तों और जिन लोगों पर काका (राजेश

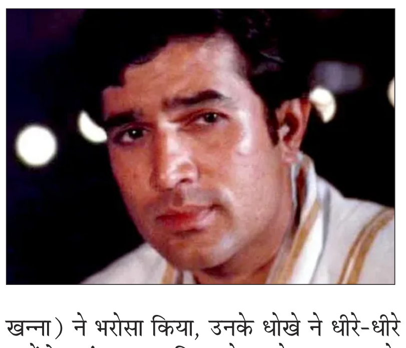

खन्ना) ने भरोसा किया, उनके धोखे ने धीरे-धीरे उन्हें ऐसा इंसान बना दिया जो अपने आस-पास के किसी भी व्यक्ति पर आसानी से भरोसा नहीं कर पाता था। उन्हें हर किसी पर शक होता था। अगर आप मुझसे मनोवैज्ञानिक नजरिए से पूछें, तो मुझे लगता है कि उन्होंने लोगों पर से अपना भरोसा खो दिया था। सबसे पहले उन्हें गोद लिया गया था। फिर रिश्तों में उन्हें धोखा मिला। इंडस्ट्री के दोस्तों ने भी उन्हें धोखा दिया। जिन लोगों की उन्होंने मदद की और सफल बनाया, वे भी आखिर में उनके खिलाफ हो गए। उन्हें हर किसी पर शक होने लगा। 1942 में जतिन खन्ना के तौर पर जन्मे राजेश खन्ना को गोद लेने वाले रिश्तेदार चुन्नीलाल और लीलावती खन्ना थे।

लोगों ने उठाया था राजेश खन्ना का फायदा

अनीता आडवाणी ने दावा किया कि पॉलिटिकल करियर के दौरान भी लोगों ने उनका फायदा उठाया था। उन्होंने कहा, ₹कई लोगों ने उनका फायदा उठाया। पॉलिटिकल कैंपेन के दौरान वह जहां भी कहा जाता, वहां जाते थे, लेकिन बीच के लोग पैसे अपनी जेब में रख लेते थे। काकाजी ने खुद कभी कोई पैसा नहीं लिया।

150 सालों से 'देशभक्ति' की असली मिसाल बना है पुराना गीत

नई दिल्ली। 26 जुलाई की तारीख भारत के इतिहास की स्वर्णिम तिथि में से एक है। आज ही के दिन 27 साल पहले भारतीय सेना ने दुश्मन देश पाकिस्तान के छक्के छुड़ाते हुए कारगिल पर तिरंगा लहराया था। कारगिल विजय दिवस के तौर पर इस खास दिन को सेलिब्रेट किया जाता है, जिसका जश्न देशभक्ति गीतों के बिना अधूरा है।

इस आधार पर आज हम आपको सिनेमा के सबसे लोकप्रिय और ऐतिहासिक देशभक्ति के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 150 सालों से भारतवासियों की पहली पसंद बना हुआ है। जिस देशभक्ति गीत के बारे में इस लेख में जिक्र किया जा रहा है, उसका इतिहास भारत की आजादी से भी पहले का है। इस गीत ने भारतवासियों को अपने देश के प्रति का असली एहसास कराया है और पिछले 150 सालों से ऐसा ही करता आ रहा है। दरअसल यहां बात भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम... (Vande Mataram की जा रही है।

मगर 8 साल पुराना गीत कर गया अमर, खूब हो रहा है ट्रेंड

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

36 दिनों के बाद दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलन पूरी तरह से समाप्त हो गया है। नीट पेपर लीक मामले के खिलाफ हुए प्रोटेस्ट में बहुत ऐसा हुआ, जिसने हर किसी का ध्यान खींचा। लेकिन इस दौरान 8 साल पुराना गीत भी ऐसा रहा, जो सोशल मीडिया पर इस छात्र आंदोलन के वीडियो के लिए संजीवनी बना था।

तमाम यूजर्स ने उस गाने की इस्तेमाल कर रील्स वीडियो बनाए। अब ये प्रोटेस्ट तो खत्म हो गया है, लेकिन जाते-जाते अपने पीछे ये उस गीत को अमर कर गया है, जब 2018 में इसको अधिक लोकप्रियता नहीं मिल सकी। आइए जानते हैं कि वह कौन सा गाना है-

बेशक 8 साल पहले बोल के लब आजाद हैं... को उतनी अधिक लोकप्रियता नहीं मिली थी, लेकिन आज छात्र आंदोलन समाप्त होने के बाद भी इसे खूब सुना जा रहा है और धड़ल्ले से रील्स वीडियो बनाए जा रहे हैं। इस तरह से मंटो का ये गीत एक तरह से अमर हो गया है। बोल के लब आजाद हैं... सॉन्ग को मुख्य रूप से अभिनेता नवाजुद्दीन और अभिनेत्री रशिका दुगल पर फिल्माया गया है, जो मुख्यरूप से फिल्म की कहानी की संक्षेप में परिभाषा देता है।

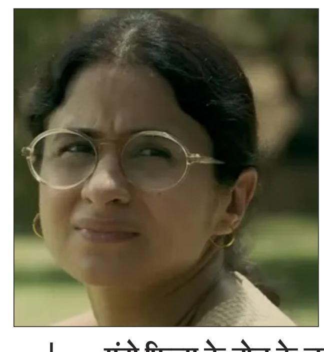

> मंटो फिल्म के बोल के लब आजाद हैं... को मशहूर गायक राशिद खान और विद्या शाह ने गाया है, जबकि इसकी संगीतकार स्नेह खानवलकर हैं। बात की जाए गीत के लिरिक्स की तो वह दिग्गज शायर फैज अहमद फैज द्वारा लिखी गई इंकलाबी नज्म बोल के लब आजाद हैं तेरे... से लिए गए हैं।

प्रोटेस्ट की आवाज बना ये गीत

यूं तो छात्र आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया पर तमाम यूजर्स ने अलग-अलग गीतों पर रील्स वीडियो बनाए और मिलियन में व्यूज हासिल किए। लेकिन सबसे अधिक गहरी छाप अगर किसी गीत ने छोड़ी तो वह अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की कल्ट फिल्म मंटो (Manto) से नाता रखता है। निर्देशक नंदिता दास के डायरेक्शन में बनने वाली मंटो का एक गाना बोले के लब आजाद हैं... (Bol Ke Lab Azad Hain...) जंतर मंतर पर हुए छात्र आंदोलन की जान बना रहा था। अगर आप भी इंस्टाग्राम खोलकर देखेंगे तो आपको तमाम प्रोटेस्ट रील्स में ये मंटो फिल्म का ये गाना बैकग्राउंड स्कोर के तौर पर सुनने मिल जाएगा।

सेना को कार्रवाई रोकने का आदेश, अधिकारियों की चेतावनी- देश में पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की कमी

ईरान पर सबसे बड़े हमले से पीछे हटे ट्रम्प

आदेश

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर सबसे बड़े हमले को फिलहाल रोक दिया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स और एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को शीर्ष सलाहकारों और कैबिनेट सदस्यों के साथ बैठक के बाद ट्रम्प ने सेना को नए बड़े हमले रोकने का आदेश दिया। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर अभियान और बढ़ाया गया तो मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सेना के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों और अन्य एयर डिफेंस हथियारों का भंडार गंभीर रूप से कम हो सकता है।

जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने सलाह दी कि बड़े अभियान से मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल के अंत तक अमेरिका 1200 से ज्यादा पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलें इस्तेमाल कर चुका था।

एक्सियोस के मुताबिक, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि हमले रोकने का फैसला अस्थायी है या लंबे समय तक लागू रहेगा। हालांकि, जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सेना बड़े सैन्य अभियान के लिए तैयार रहेगी।

ईरान का आरोप है कि कैस्पियन सागर में उसके एक व्यापारिक जहाज पर हुए हमले में एक नाविक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि यूक्रेन ने कैस्पियन सागर में ऐसे जहाजों पर हमला किया, जिनका इस्तेमाल ईरान से जुड़े सैन्य सामान की ढुलाई के लिए किया जा रहा था। हालांकि उन्होंने ईरानी व्यापारिक जहाज पर सीधे हमले की पुष्टि नहीं की।

ईरान के खिलाफ अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी जारी

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने कहा है कि ईरान के खिलाफ उसकी नौसैनिक नाकाबंदी पूरी तरह लागू है। CENTCOM के मुताबिक, 25 जुलाई तक ईरान की ओर बढ़ रहे 12 व्यावसायिक जहाजों का रास्ता बदल दिया गया, दो जहाजों पर चढ़कर जांच की गई और आदेश नहीं मानने वाले दो जहाजों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

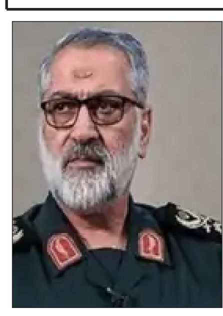

> अब अमेरिका नई रणनीति बनाने में जुटा है। अगर अमेरिका युद्ध से पीछे हटना भी चाहे, तो यह फैसला इजराइल की मंजूरी पर निर्भर करेगा।
>
> - जनरल अबोलफजल शेखारची
> प्रवक्ता, ईरानी सेना

ईरान ने यूक्रेन को जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी

कैस्पियन सागर में अपने एक व्यापारिक जहाज पर कथित ड्रोन हमले के बाद ईरान ने यूक्रेन को जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। ईरान ने हमले के विरोध में तेहरान स्थित यूक्रेन के राजनयिक को तलब किया और कहा कि इस घटना का जवाब दिया जाएगा। ईरान का दावा है कि हमले में एक नाविक की मौत हुई, जबकि दूसरा घायल हो गया। विदेश मंत्रालय ने इसे आक्रामक कार्रवाई बताते हुए कहा कि देश अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगा।

ईरान का दावा- जवाबी हमलों में यूएस के 3 बड़े ठिकानों को बनाया निशाना

ईरान ने दावा किया है कि उसने जॉर्डन, कुवैत और बहरीन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की है। ईरानी सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद रजा अकरमिनिया ने कहा कि ये तीनों ठिकाने मध्य पूर्व में अमेरिका के सबसे अहम सैन्य अड्डों में गिने जाते हैं। अकरमिनिया ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जून में हुए समझौते का पालन नहीं किया। इसके बजाय वहां नया समुद्री रास्ता बनाने की कोशिश की। इसी के जवाब में ईरान ने अपने अधिकार जताने के लिए कार्रवाई की। ईरान की सेना ने दावा किया है कि अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट और ईरान, दोनों मोर्चों पर अपने मकसद पूरे नहीं कर पाया। सेना के प्रवक्ता जनरल अबोलफजल शेखारची ने कहा कि मौजूदा हालात अमेरिका के लिए अच्छे नहीं हैं। ईरान ने बहरीन में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट के नौसैनिक ठिकाने पर हमला किया। यहां ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया गया, जिसके बाद कई बड़े विस्फोट हुए।

ईरान की संसद में होर्मुज को लेकर नए कानून के मसौदे पर चर्चा चल रही है। संसद की कई समितियां मिलकर इस ड्राफ्ट की समीक्षा कर रही हैं। हालांकि सरकार ने अभी कानून का पूरा मसौदा सार्वजनिक नहीं किया है, लेकिन बताया जा रहा है कि इसका मकसद होर्मुज पर ईरान का नियंत्रण और मजबूत करना है। साथ ही वहां से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने का भी प्रावधान किया जा सकता है।

कुवैत ने सऊदी जहाज पर हूती हमलों की निंदा की

कुवैत ने लाल सागर में सऊदी जहाज NCC MASA पर हूती विद्रोहियों के हमले की कड़ी निंदा की है। कुवैत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है और समुद्री नौवहन व वैश्विक व्यापार की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है।

मंत्रालय ने कहा कि कुवैत सऊदी अरब की संप्रभुता, सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए उठाए गए सभी कदमों का पूरा समर्थन करता है। हूती विद्रोहियों ने पिछले सप्ताह सऊदी अरब के खिलाफ नौसैनिक नाकाबंदी की घोषणा की थी। इसके बाद सऊदी ने यमन के हूती नियंत्रित होदेदाह शहर पर जवाबी हवाई हमले किए, जबकि हूतियों ने सऊदी के तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने का दावा किया।

होर्मुज पर ईरान-ओमान की बातचीत आगे बढ़ी

होर्मुज में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही को लेकर ईरान और ओमान के बीच बातचीत आगे बढ़ी है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने बताया कि तेहरान में दोनों देशों के उप-विदेश मंत्रियों के बीच दो दिन तक बातचीत हुई।

बघाई ने कहा कि दोनों देशों ने जहाजों की सुरक्षित आवाजाही और होर्मुज में अपने-अपने अधिकारों को लेकर चर्चा की। बातचीत में कुछ मुद्दों पर सहमति बनी है और बाकी मामलों पर तकनीकी और राजनीतिक स्तर पर बातचीत जारी रहेगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अब ईरान और यूक्रेन के रिश्तों में भी तनाव बढ़ गया है। ईरान ने कैस्पियन सागर में अपने जहाज पर हमले का आरोप लगाकर यूक्रेन के राजनयिक को तलब किया है। वहीं, यूक्रेन का दावा है कि उसने ईरान से जुड़े सैन्य कार्गो वाले जहाजों को निशाना बनाया। जानिए दोनों देशों के बीच विवाद की वजह।

'खत्म हो रही हैं अमेरिका की मिसाइलें' रिपोर्ट में दावा

ट्रंप ने ईरान पर हमला रोकने के लिए कहा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सेना को ईरान में नए हमले न करने का निर्देश दिया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स और एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को शीर्ष सलाहकारों और कैबिनेट सदस्यों के साथ बैठक के बाद ट्रंप ने यह फैसला लिया।

लगातार 13 दिनों तक ईरान पर सैन्य हमले कराने के बाद ट्रंप ने शुक्रवार को नए हमलों पर रोक लगाने का निर्देश दिया। ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि वे व्यापक युद्ध के बजाय ईरान के साथ बातचीत के जरिए एक समझदारी भरा समझौता चाहते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर अभियान और बढ़ाया गया तो मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सेना के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों और अन्य एयर डिफेंस हथियारों का भंडार गंभीर रूप से कम हो सकता है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने सलाह दी है कि ईरान के खिलाफ बड़े युद्ध अभियान फिर से शुरू करना संभव है, लेकिन इससे सेना के सेंट्रल कमांड के लिए उपलब्ध इंटरसेप्टर खतरनाक रूप से समाप्त हो जाएंगे, जिससे मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

एक्सियोस के अनुसार, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि हमले रोकने का फैसला अस्थायी है या लंबे समय तक लागू रहेगा।

नेपाल सरकार का बड़ा फैसला, भारतीय करेंसी पर लगी रोक हटाई

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल ने भारतीय करेंसी के आने-जाने पर लगी पाबंदियों में ढील दी है। अब भारतीय और नेपाली नागरिक 9 नवंबर 2016 के बाद जारी किए गए 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट अपने साथ ले जा सकते हैं। नेपाल राष्ट्र बैंक (NRB) के मुताबिक, इन नोटों को प्रति व्यक्ति 25,000 रुपये की सीमा तक नेपाल में लाया या ले जाया जा सकता है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, नए नियमों के तहत दोनों देशों के नागरिक मौजूदा नियमों का पालन करते हुए मंजूर किए गए करेंसी नोट नेपाल ला सकते हैं।

एनआरबी ने अपनी ताजा सूचना में साफ किया है कि 2016 में नोटबंदी से पहले जारी किए गए पुराने भारतीय करेंसी नोट नेपाल में प्रतिबंधित रहेंगे। एनआरबी ने यह भी कहा कि नई व्यवस्था के तहत सिर्फ 9 नवंबर 2016 के बाद जारी किए गए नए डिजाइन वाले 500 रुपये और 200 रुपये के भारतीय नोटों को ही मंजूरी दी जाएगी।

केंद्रीय बैंक ने शुरू में 11 फरवरी को नेपाल राजपत्र (गजट) में यह प्रावधान प्रकाशित किया था। हालांकि, गुरुवार को उसने एक और सूचना जारी करके इसके लागू होने की प्रक्रिया को साफ किया और सीमा पार करेंसी के लेन-देन से जुड़ी चिंताओं को दूर किया।

- नए 200 और 500 रुपये के नोटों को अनुमति मिली।
- प्रति व्यक्ति 25,000 रुपये तक ले जाने की छूट।
- पुराने भारतीय नोट नेपाल में अभी भी प्रतिबंधित।

फास्ट न्यूज

बर्लिन पुलिस का दावा- इस्लामी कट्टरपंथी समूहों से जुड़ा है आरोपी

बर्लिन। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में LGBTQ+ समुदाय के प्राइड कार्यक्रम के दौरान हुए हमले के मामले में पुलिस ने संदिग्ध की पहचान कर ली है। पुलिस का कहना है कि आरोपी का संबंध बर्लिन में सक्रिय इस्लामी कट्टरपंथी समूहों या नेटवर्क से है। फिलहाल उसकी गिरफ्तारी के लिए तेजी से छापेमारी की जा रही है।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी हमलों में 15 की मौत

मास्को। शनिवार को रूस के कब्जे वाले जापोरिज्जिया इलाके में हॉलिडे कैंपों पर यूक्रेन के हमलों में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी सुमी इलाके के अधिकारियों ने बताया कि वहां रूसी ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई।

वहीं, रूस ने कजाखस्तान के कैस्पियन पाइपलाइन कंसोर्टियम (सीपीसी) पर यूक्रेन के हमले को ऊर्जा आतंकवाद बताया है। कहा है कि ईरान युद्ध के चलते कम हुई कच्चे तेल की आपूर्ति में यूक्रेन के हमले से और ज्यादा मुश्किल पैदा होगी।

एनआईडी को लेकर काठमांडू ने भेजा प्रस्ताव

काठमांडू। नेपाल ने भारत से अनुरोध किया है कि नेपाली नागरिकों के नेशनल आइडेंटिटी कार्ड (NID) को भारत यात्रा के लिए वैध पहचान और यात्रा दस्तावेज के रूप में मान्यता दी जाए। यदि भारत इस प्रस्ताव को मंजूरी दे देता है, तो नेपाली नागरिक पासपोर्ट और नागरिकता प्रमाणपत्र के साथ-साथ नेशनल आईडी कार्ड का इस्तेमाल भी भारत आने-जाने में कर सकेंगे।

पहली तिमाही में नेट इंटरेस्ट इनकम 21% बढ़ी, प्रोविजनिंग घटने और एसेट क्वालिटी सुधरने से फायदा

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का मुनाफा 132% बढ़कर 1,075 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी

प्राइवेट सेक्टर के IDFC फर्स्ट बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) के नतीजे जारी कर दिए हैं। जून 2026 को समाप्त हुई इस तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 132.2% बढ़कर 1,075 करोड़ रुपए हो गया है। एक साल पहले इसी अवधि में बैंक को 463 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हुआ था। बैंक के मुनाफे में यह बड़ी बढ़ोतरी मजबूत नेट इंटरेस्ट इनकम (NII) और कम प्रोविजनिंग की वजह से हुई है।

वहीं, तिमाही-दर-तिमाही (QoQ) आधार पर NIM में 3 bps की बढ़त दर्ज की गई है। इस दौरान बैंक का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 14% बढ़कर 2,553 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 2,239 करोड़ रुपए था।

पहली तिमाही में बैंक का प्रोविजनिंग खर्च घटकर 1,144 करोड़ रुपए पर आ गया, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 1,659 करोड़ रुपए था। हालांकि, यह पिछली तिमाही (मार्च 2026) के 869 करोड़ रुपए के मुकाबले ज्यादा है। एसेट क्वालिटी के मोर्चे पर बैंक की स्थिति सुधरी है। जून तिमाही के अंत में बैंक का ग्रॉस एनपीए घटकर 1.51% पर आ गया, जो मार्च तिमाही में 1.61% था। नेट एनपीए भी पिछली तिमाही के 0.48% से सुधरकर 0.44% पर आ गया। 30 जून 2026 तक बैंक का कुल कस्टमर बिजनेस (जिसमें लोन और कस्टमर डिपॉजिट शामिल हैं) 18.6% की सालाना बढ़त के साथ 6,04,776 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एक साल पहले यह 5,10,031 करोड़ रुपए था।

बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम 21% बढ़ी

बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम (NII) यानी कमाए गए ब्याज और दिए गए ब्याज का अंतर सालाना आधार पर 21% बढ़कर 5,972 करोड़ रुपए हो गया है। पिछले साल की समान तिमाही में यह 4,933 करोड़ रुपए था। यह बढ़त बैंक के कोर लेंडिंग बिजनेस में आई मजबूती को दर्शाती है। बैंक का नेट इंटरेस्ट मार्जिन (NIM) जून 2026 तिमाही में बढ़कर 5.96% हो गया है, जो जून 2025 तिमाही में 5.71% था। यानी इसमें सालाना आधार पर 25 बेसिस पॉइंट्स का सुधार हुआ है।

तिमाही-दर-तिमाही आधार पर इसमें 5.2% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बैंक का रिटर्न ऑन एसेट्स (RoA) Q1 FY27 में बढ़कर 1.06% हो गया, जो पिछले साल समान तिमाही में 0.54% था। इसके अलावा, बैंक का कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो 15.05% रहा, जिसमें कॉमन इक्विटी टियर-1 (CET-I) रेशियो 13.33% शामिल है।

यूक्रेन के ओडेसा में मालवाहक जहाज पर हमला 2 भारतीय लापता

दूतावास ने जारी किया इमरजेंसी नंबर

> दूतावास ने कहा कि खोज और बचाव अभियान चल रहा है। हम यूक्रेनी अधिकारियों के लगातार संपर्क में हैं। हमले के बात बाद दूतावास ने यूक्रेन में रह रहे भारतीयों के लिए हेल्पलाइन भी जारी की है।

कीव, एजेंसी

यूक्रेन में 25 जुलाई को ओडेसा बंदरगाह पर मर्चेंट जहाज MV AGN Ragnar पर हमला हुआ था। इस जहाज पर 4 भारतीय नागरिक सवार थे। इस हमले को लेकर यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने रविवार को बताया कि वह ओडेसा बंदरगाह पर हुए हमले के बाद स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। भारतीय दूतावास ने X पर जानकारी दी कि 4 में से 2 भारतीय क्रू सदस्यों के सुरक्षित होने की पुष्टि हो गई है। बाकी 2 लोगों के बारे में अभी जानकारी का इंतजार है। ओडेसा, काला सागर पर यूक्रेन का सबसे बड़ा बंदरगाह है। फरवरी 2022 में रूस के हमले के बाद से यह जगह लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों का निशाना बन रही है। इसकी वजह से समुद्री व्यापार में भी दिक्कतें आ रही हैं।

भारत सरकार ने पहले ही अपने नागरिकों से कहा है कि वे चल रहे संघर्ष की वजह से यूक्रेन की यात्रा न करें। दूतावास ने कहा कि वह वहां रह रहे भारतीयों को हर संभव मदद दे रहा है।

आरोप : तेहरान में यूक्रेन के राजनयिक को बुलाकर इसे दुश्मनी भरा और आपराधिक हमला बताया

हूती विद्रोहियों ने सऊदी के तेल ठिकानों पर किया हमला

रियाद, एजेंसी

खाड़ी में तनाव कम होने के बावजूद शनिवार को दो बड़ी घटनाओं से पूरे इलाके में युद्ध फैलने का खतरा बढ़ गया है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन पर कैस्पियन सागर में एक ईरानी कमर्शियल जहाज पर हमला करने का आरोप लगाया। मंत्रालय के मुताबिक इस हमले में हुए विस्फोट से एक नाविक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया।

इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कैस्पियन सागर में लंबी दूरी के हमलों की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि रूस मध्य पूर्व में सैटेलाइट की जानकारी ईरान को दे रहा है। जिजान रिफाइनरी में रोज 4 लाख बैरल तेल बनता है। जवाब में सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन के मारिब, अल-जौफ और होदेदाह में हूतियों के ठिकानों पर बमबारी की। यमन के अधिकारियों ने कहा कि दोनों पक्ष अब फिर से मोर्चे पर सेना जुटा रहे हैं। 2022 से रुका हुआ यमन का गृह युद्ध इस महीने फिर शुरू हो गया है। हूतियों ने पिछले हफ्ते सऊदी की नौसैनिक नाकेबंदी की घोषणा की थी और गुरुवार को लाल सागर में दो सऊदी टैंकरों पर भी हमला किया था। अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में एक जहाज को रोका, जिसने नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश की थी। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य के बाद लाल सागर का रास्ता भी बाधित हुआ तो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ सकता है।

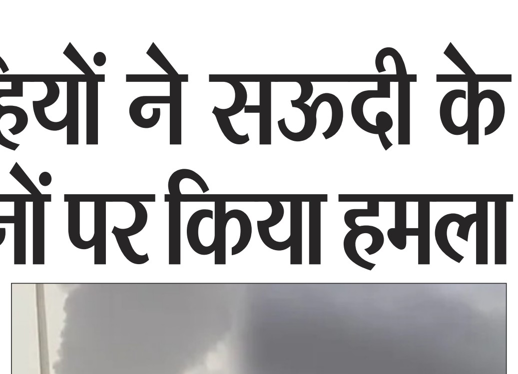

सऊदी अरब पर हूथियों का हमला, यमन जंग फिर शुरू

इसी दिन ईरान समर्थित यमन के हूती गुट ने सऊदी अरब के दो तेल ठिकानों पर हमला किया। हूती प्रवक्ता ने कहा कि जिजान और यानबू में अरामको की रिफाइनरी और भंडारण केंद्रों को निशाना बनाया गया। वीडियो में जिजान रिफाइनरी से धुएं का गुबार उठता दिखा। ग्रीक सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, यानबू में दागी गई 2 बैलिस्टिक मिसाइलों को अमेरिका की पैट्रियट मिसाइल से मार गिराया गया। यानबू सऊदी का सबसे अहम लाल सागर तेल बंदरगाह है और होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने के बाद यह तेल भेजने का मुख्य रास्ता बन गया है।

स्पेन के जंगलों में लगी भीषण आग के बाद प्रशासन रेस्क्यू में जुटा

मैड्रिड, एजेंसी

स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने शनिवार को कहा कि मैड्रिड के पश्चिम में लगी आग में दमकलकर्मी जान बचाने की कोशिश कर रहे हैं। तेज हवाओं की आशंका के चलते स्थिति और भी मुश्किल हो गई है।

सरकार ने बताया कि सूखे इलाकों में लगी आग की वजह से 70,000 लोगों को अपना घर छोड़कर भागना पड़ा है। अधिकारियों ने इसे इस इलाके में अब तक की सबसे भयानक आग बताया है।

आग प्रभावित इलाके के सेनिसी-एंटोस गांव में पत्रकारों से बात करते हुए सांचेज ने कहा,₹हमारी प्राथमिकता, हमारी सोच और हमारा मकसद आपकी जान बचाना और आबादी वाले इलाकों की सुरक्षा करना है। उन्होंने आगे कहा, आने वाले कुछ घंटे मुश्किल भरे हो सकते हैं क्योंकि भले ही तापमान कम हो गया है, लेकिन हमें ठीक-ठीक नहीं पता कि हवा का रुख कैसा रहेगा या वह कितनी तेज होगी। ब्रुनेट शहर की मेयर मार निकोलस ने बताया कि वह उन निवासियों के लिए बहुत चिंतित हैं जो इन भयानक आग से परेशान हैं। उन्होंने कहा, हर साल आग लगती है, लेकिन इस बार की आग बहुत भयानक रही है। यह एक बड़ी तबाही है। राजधानी के पश्चिम में आसमान घने धुएं से भर गया और सुबह-सुबह जलने की गंध सेंट्रल मैड्रिड की सड़कों तक पहुंच गई, जिससे लोगों के गले में खराश होने लगी और उन्हें अपनी खिड़कियां बंद रखने पर मजबूर होना पड़ा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक्स पर लोगों को सलाह दी कि वे खराब हवा की गुणवत्ता के कारण लंबे समय तक बाहर न रहें।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676